राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार 08 अप्रैल 2024 वर्ष-7,अंक-74 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## संक्षिप्त समाचार

### 'प्रधानमंत्री मोदी के एक फोन से रुका रूस-यूक्रेन युद्ध'

राजनाथ सिंह बोले-पीएम की एक कॉल ने कतर से पूर्व नौसैनिकों को छुड़ाया

**जयपुर (एजेंसी)।** लोकसभा चुनाव को लेकर देश में प्रचार अभियान जोरों पर है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बार एनडीए 400 पार का नारा दिया है। इसी बीच केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह रविवार को राजस्थान के बीकानेर पहुंचे। राजनाथ सिंह ने यहां जनसभा को संबोधित करते हुए जहां केंद्र

की नीतियों और पीएम मोदी के कार्यों के तारीफ की तो वहीं विपक्षियों की जमकर धज्जियां उड़ाईं। इस दौरान राजनाथ सिंह ने रूस-यूक्रेन युद्ध का भी जिक्र किया। चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, 'जब रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू हुआ था। उस समय भारत के बहुत से बच्चे यूक्रेन में पढ़ाई कर रहा थे, जिसके बाद बच्चों के माता पिता ने पीएम मोदी से उन्हें यूक्रेन से वापस लाने की गुहार लगाई। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिना देर किए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ ही अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन को फोन लगाया।

### बिहार में नहीं मिला 'मौका', अब दिल्ली में लगाएंगे 'चौका'

कन्हैया कुमार को दिल्ली से लड़ाने की तैयारी कर रही कांग्रेस

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** जेएनयू छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष कन्हैया कुमार को उस समय बड़ा झटका लगा था जब बिहार में महागठबंधन का नेतृत्व करने वाली लालू यादव की पार्टी आरजेडी ने बेगूसराय की सीट सीपीआई के खाते में दे दी। इसके साथ ही 2019 में गिरिराज सिंह के खिलाफ चुनावी मैदान में खड़े कन्हैया कुमार को निराशा हाथ लगी। अब खबर आ रही है कि कांग्रेस पार्टी अपने इस स्टार

कैंपेनर को दिल्ली की एक सीट से चुनावी अखाड़े में उतार सकती है। कांग्रेस सूत्रों से मिल रही जानकारी के मुताबिक, कांग्रेस पार्टी कन्हैया कुमार को दिल्ली की उत्तर पूर्वी सीट से उम्मीदवार बना सकती है। उनके नाम पर अंतिम मुहर आगे होने वाली कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में लग सकती है। अगर कांग्रेस उन्हें अपना कैंडीडेट बनाती है तो उनका मुकाबला दिल्ली बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष मनोज तिवारी से होगा। मनोज तिवारी 2014 और 2019 के चुनाव में इस सीट से जीत दर्ज कर चुके हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में कन्हैया कुमार लेफ्ट के टिकट पर बेगूसराय सीट से चुनावी मैदान में थे।

# बिहार में पीएम बोले-इंडी गठबंधन ने गारंटी को गुनाह बनाया

## नवादा में कहा-भारत को आंख दिखाने वाले आज आटे के लिए तरस रहे

नवादा (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को बिहार के नवादा में जनसभा की। 30 मिनट की स्पीच में प्रधानमंत्री ने इंडी गठबंधन, राम मंदिर, टुकड़े-टुकड़े गैंग, जंगलराज और तीन तलाक जैसे मुद्दों पर बात की। प्रधानमंत्री ने कहा कि इंडी गठबंधन कहता है कि मोदी की गारंटी गैरकानूनी है, इसे बंद कराना चाहिए। उन्होंने गारंटी को गुनाह बना दिया है। उन्होंने कहा कि 370 और तीन तलाक खत्म करने की गारंटी दी थी। जो कहता हूं करता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को आंख दिखाने वाले आज आटे के लिए तरस रहे हैं। वे बोले, इंडी गठबंधन के बड़े नेता रैली नहीं कर रहे हैं। पता चला यहां के एक नेता हठ कर के बैठ गए हैं। उनका कहना है कि जब तक मुझे पीएम कैंडीडेट घोषित नहीं किया जाएगा, रैली नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि बिहार में वो भी समय था, जब बहू-बेटियों को निकलने से डर लगता था। नीतिश जी और सुशील मोदी के प्रयास से बिहार जंगलराज से मुक्त हुआ है। प्रधानमंत्री से पहले सीएम नीतिश कुमार ने कहा कि याद कीजिए 2005 से पहले बिहार का क्या हाल था। पहले 15 साल पति-पत्नी ने केवल राज किया। बच्चों को बताइएगा। पहले क्या था, हमने कितना काम किया है। नवादा से पहले 4 अप्रैल को पीएम ने जमुई से चुनावी कैंपेन का आगाज किया था। यहां उन्होंने लोजपा (रा) के प्रत्याशी और चिराग पासवान के बहनोई अरुण भारती के पक्ष में सभा की थी। मोदी ने कहा कि इंडी गठबंधन वाले सनातन धर्म को समाप्त करने की बात करते हैं। इंडी गठबंधन वाले भारत के एक और विभाजन करने की बात करते हैं। कांग्रेस पार्टी के नेता खुलेआम बयान दे रहे हैं कि वो दक्षिण भारत को अलग कर देंगे। पीएम ने कहा कि इन लोगों को भ्रष्टाचार की आदत लग चुकी है। इनकी भाषा टुकड़े-टुकड़े गैंग वाली है।

## चुनाव जीती तो संपत्ति का सर्वे कराएगी कांग्रेस

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जितनी आबादी उतना हक पर दिया जोर

**हैदराबाद (एजेंसी)।** लोकसभा चुनाव के लिए मतदान की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, पार्टियों ने प्रचार का काम तेज कर दिया है। तेलंगाना में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और वायनाड से पार्टी के प्रत्याशी राहुल गांधी ने जितनी आबादी उतना हक पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अगर हम सरकार बनाने में कामयाब रहे तो वित्तीय और संस्थागत सर्वेक्षण कराएंगे और पता लगाएंगे कि देश की अधिकतर संपत्ति पर किसका कब्जा है। इसके बाद संपत्ति को उनके असली हकदारों को वितरित करने की कवायद की जाएगी। उन्होंने रैली में वादा किया कि कांग्रेस पार्टी हर क्षेत्र में हर समुदाय का प्रतिनिधित्व कर रही है। तेलंगाना के तुक्कुगुडा में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी अपने चुनावी घोषणापत्र के मुताबिक जितनी आबादी उतना हक के सिद्धांथ पर जोर देगी। उन्होंने कहा कि अगर हमारी सरकार सत्ता में आती है तो हम सबसे पहले पिछड़ी जातियों, एससी, एसटी, अल्पसंख्यकों और

अन्य जातियों की सटीक आबादी और स्थिति जानने के लिए एक जाति जनगणना करेंगे। उसके बाद, वित्तीय और संस्थागत सर्वेक्षण शुरू होगा। राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी देश की संपत्तियों, नौकरियां और अन्य कल्याणकारी योजनाओं को समुदाय की जनसंख्या के आधार पर वितरित करने का ऐतिहासिक कार्य करेगी। राहुल ने दावा किया कि पिछड़ी जातियां, दलित, अल्पसंख्यक और आदिवासी भारत की आबादी का लगभग 90 फीसदी हैं।

## पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर में एनआईए टीम पर एफआईआर

- गिरफ्तार टीएमसी नेता की पत्नी से मारपीट-बदतमीजी का आरोप, लोगों ने अफसरों पर किया था हमला

**कोलकाता (एजेंसी)।** बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर जिले के भूपतिनगर से गिरफ्तार टीएमसी नेता मनोब्रत जना की पत्नी मोनी जना ने एनआईए अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। महिला का आरोप है कि एनआईए की टीम ने जांच के बहाने जबरन उनके घर में घुसने की कोशिश की। महिला ने अधिकारियों पर मारपीट, बदतमीजी और घर में तोड़फोड़ का आरोप लगाया है। एनआईए अधिकारियों के खिलाफ भूपतिनगर पुलिस थाने में आईपीसी की धारा 325, 34, 354, 354(बी), 427, 448, 509 के तहत शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। घटना शुक्रवार 5 अप्रैल देर रात की है। एनआईए की टीम कलकत्ता हाईकोर्ट के निर्देश पर भूपतिनगर में 2022 में हुए बम धमाके की जांच करने पहुंची थी। तृणमूल कांग्रेस के नेता बलाई चरण मैती और मनोब्रत जना केस के दो मुख्य साजिशकर्ता हैं। एनआईए की टीम जब आरोपियों को गिरफ्तार कर ले जाने लगी, तो लोग लाठी-डंडे लेकर उनके सामने अड़ गए।

## 'उद्धव ठाकरे के साथ नहीं आना चाहते थे सोनिया और राहुल'

एनसीपी अजीत गुट के नेता प्रफुल्ल पटेल ने किया बड़ा खुलासा

**मुंबई (एजेंसी)।** कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी 2019 में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली अविभाजित शिवसेना के साथ गठबंधन में शामिल होने के पक्ष में नहीं थे, लेकिन राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के मुखिया शरद पवार ने उन्हें इसके लिए मनाया था। यह खुलासा एनसीपी नेता प्रफुल्ल पटेल ने एक निजी टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में किया। प्रफुल्ल पटेल ने यह भी दावा किया कि जब 2019 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद सुबह-सुबह एक समारोह में भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी, तब शरद पवार ने शुरू में भतीजे अजित पवार को उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के लिए अपना समर्थन दिया था, लेकिन इसके बाद अजित पवार ने 80 घंटे में ही सरकार छोड़ दी थी। इसके बाद कांग्रेस, राकांपा और अविभाजित शिवसेना ने राज्य में महा विकास अघाड़ी गठबंधन और सरकार बनाई थी। उन्होंने कहा कि जब हमने 2019 में कांग्रेस और शिवसेना के साथ सरकार बनाई तो सोनिया गांधी और राहुल गांधी इच्छुक नहीं थे, क्योंकि उनके लिए, उद्धव ठाकरे की हिंदुत्व की विचारधारा भाजपा की तुलना में अधिक चरम थी। यह शरद पवार ही थे जिन्होंने उन्हें उद्धव ठाकरे के साथ सरकार बनाने के लिए राजी किया। बता दें, प्रफुल्ल पटेल अब एनसीपी के अजीत पवार गुट में हैं। राकांपा का अजित पवार गुट वर्तमान में सत्तारूढ़ 'महायुति' (महागठबंधन) का हिस्सा है, जिसमें मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली भाजपा और शिवसेना शामिल हैं।

## खजुराहो में एआईएफबी प्रत्याशी को समर्थन दे सकती है कांग्रेस

- पीसीसी चीफ से मिले राजा भैया, जीतू बोले-बिहारी स्टाइल में चुनाव जीतना चाहती है बीजेपी

**भोपाल (एजेंसी)।** खजुराहो लोकसभा सीट पर कांग्रेस अब ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक (एआईएफबी) प्रत्याशी व रिटायर्ड अफसर राजा भैया प्रजापति को समर्थन दे सकती है। प्रजापति ने रविवार सुबह कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी से मुलाकात की है। इसके बाद प्रजापति ने मीडिया से कहा, खजुराहो सीट पर अब जो प्रत्याशी बचे हैं, मैं उनमें सबसे मजबूत हूं। इंडिया गठबंधन का यहां कोई उम्मीदवार नहीं है। मैं चाहता हूं कि वे मुझे समर्थन दें। पटवारी ने आश्वासन दिया है कि कांग्रेस मेरा समर्थन करेगी। हालांकि, कांग्रेस की तरफ से इसको लेकर कोई बयान अब तक नहीं दिया गया है। दरअसल, इंडिया गठबंधन की तरफ से खजुराहो सीट पर समाजवादी पार्टी नेता मीरा दीपनारायण यादव को उम्मीदवार बनाया गया था। उनका नामांकन फॉर्म 5 अप्रैल को निरस्त कर दिया गया।

## आप रहिए सावधान! अब मौसम करेगा 'खेला'

साउथ से लेकर नार्थ तक जबरदस्त 'तपा' रहा है सूरज

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली-एनसीआर में धूप के साथ बादलों की लुकाछिपी का खेल जारी है। वहीं, दक्षिण भारत समेत देश के कई हिस्सों में भीषण गर्मी पड़नी शुरू हो गई है। तेलंगाना में लू को लेकर येलो अलर्ट जारी किया जा चुका है। लोगों को विशेष रूप से दोपहर में

- भीषण गर्मी को लेकर मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

12 बजे से 3 बजे के बीच घरों से नहीं निकलने की सलाह दी गई है। तेलंगान में पारा 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। मुंबई में गर्मी को देखते हुए कोल्ड रूम तक तैयार किए जा रहे हैं। वहीं, दिल्ली में रविवार को न्यूनतम पारा 16.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह इस मौसम के औसत तापमान से तीन डिग्री कम है। दक्षिण भारत समेत अन्य हिस्सों में भीषण गर्मी को देखते हुए लोगों के मन में ये सवाल उठ रहा है कि आखिर उत्तर भारत में लू कब तक दस्तक देगी। अप्रैल की शुरुआत से ही देश के कई हिस्सों में तापमान 40 से 43 डिग्री सेल्सियस तक चला गया है। इससे लू का खतरा बढ़ गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने हाल ही में पूर्वानुमान जताया था कि इस साल देश में अधिकतम तापमान सामान्य से ऊपर रहेगा। चुनावी साल में अप्रैल से जून के बीच उत्तर के मैदानी इलाकों समेत दक्षिण भारत में भीषण गर्मी और लू (हीट वेव) चलेगी। भारत के मौसम विज्ञान विभाग के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र का कहना है कि अप्रैल और जून के बीच अधिकतम तापमान सामान्य से ऊपर रहने की संभावना है। मध्य भारत, उत्तर के मैदानी इलाकों और दक्षिण भारत के कुछ राज्यों में कई दिनों तक लू चलने का अनुमान है। इन राज्यों में गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तरी कर्नाटक, ओडिशा, आंध्र प्रदेश और मध्य प्रदेश शामिल हैं। आईएमडी के महानिदेशक ने कहा कि गुजरात, मध्य महाराष्ट्र, उत्तरी कर्नाटक, राजस्थान, मध्य प्रदेश, ओडिशा, उत्तरी छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश में गर्मी का सबसे बुरा असर पड़ सकता है।

## आज सूर्य ग्रहण से रेस लगाएगा अमेरिका

नासा के जेट विमान करेंगे चांद की परछाई का पीछा

**वॉशिंगटन (एजेंसी)।** अमेरिका में इस सूर्य ग्रहण को लेकर आम लोगों से लेकर वैज्ञानिक तक उत्साहित हैं। सूर्य ग्रहण तब होता है, जब पृथ्वी और सूरज के बीच में चंद्रमा आ जाए। इस कारण चंद्रमा की परछाई धरती पर पड़ती है लेकिन सूर्य ग्रहण में भी पूर्ण सूर्य ग्रहण सबसे खास है। ऐसा इसलिए क्योंकि पूर्ण सूर्य ग्रहण में कुछ मिनटों का समय ऐसा होता है, जब सूर्य का कोई भी प्रकाश

- ग्रहण को करेंगे ट्रैक, सूर्य के कोरोना का भी अध्ययन

धरती पर नहीं पहुंचता। इसे समग्रता कहते हैं, जिस दौरान सूर्य का विशाल चमकदार कोरोना हमें दिखाई देता है। इसे सूर्य का वायुमंडल कह सकते हैं। नासा भी कल 8 अप्रैल को लगने वाले इस पूर्ण सूर्य ग्रहण की तैयारी कर रहा है। चंद्रमा की छाया तब इसके विशाल हिस्से पर पड़ेगी। इस दुर्लभ घटना के दौरान विशेष उपकरणों से लैस नासा के दो डब्ल्यूबी-57 जेट विमान उड़ेंगे। यह ग्रहण को ट्रैक करेंगे और सूर्य के कोरोना का अध्ययन करेंगे। नासा का लक्ष्य है कि सूर्य ग्रहण के दौरान सूरज से जुड़े रहस्यों का खुलासा होगा।

## मुख्तार अंसारी के परिजनों से अखिलेश ने की मुलाकात

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** समाजवादी पार्टी के ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव गाजीपुर पहुंचे थे। यहां

उन्होंने गैंगस्टर से नेता बने मुख्तार अंसारी के परिवार मुलाकात की। अखिलेश यादव ने परिवार को ढांढस बंधाया। इस दौरान अखिलेश यादव ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि जो व्यक्ति इतने वर्षों तक जेल में रहा हो और उसके बाद भी उसे जनता जिता रही है, इसका

- बोले-परिवार जनता के बीच रहता है, इसीलिए जनता जितवा रही

मतलब वह जनता के बीच में रहकर उसका दुख दर्द बांटता था। अखिलेश यादव ने कहा कि जो सरकार जनता के साथ नहीं खड़ी होती, उसका दुख दर्द नहीं बांटती, उसके साथ जनता भी नहीं खड़ी होती है।

## फ्रिज और टीवी के बिल से हेमंत की बढ़ीं मुश्किलें

ईडी ने जोड़ा जमीन घोटाले से तार, संकट में झारखंड के पूर्व सीएम

**रांची (एजेंसी)।** जेल में बंद झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मुश्किलें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ईडी ने अब सोरेन के खिलाफ सबूतों में एक फ्रिज और एक स्मार्ट टीवी के बिल को शामिल किया है। इन्हीं रसीदों के साथ कथित जमीन घोटाले से तार जोड़ा गया है। ईडी का आरोप है कि पूर्व सीएम ने 31 करोड़ रुपए से ज्यादा की कीमत की 8.86 एकड़ जमीन अवैध तरीके से हासिल की थी। केंद्रीय जांच एजेंसी ने रांची स्थित दो डीलर से ये रसीदें प्राप्त कीं और उन्हें पिछले महीने 48 साल के झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नेता और चार अन्य के खिलाफ दायर अपने आरोप पत्र में शामिल किया। रांची में न्यायाधीश राजीव रंजन की विशेष पीएमएलए अदालत ने चार अप्रैल को आरोपपत्र पर संज्ञान लिया।

## सीएम केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ एएपी नेताओं का उपवास

- जंतर-मंतर पर जुटे दिल्ली के मंत्री, भाजपा ने केजरीवाल के भ्रष्टाचार का मॉडल दिखाया

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में आम आदमी पार्टी नेताओं ने रविवार को देशभर में सामूहिक उपवास शुरू किया। पार्टी के बड़े नेता दिल्ली के जंतर-मंतर पर सुबह उपवास के लिए पहुंचे। आम आदमी पार्टी की मांग है कि शराब नीति घोटाले में 21 मार्च को गिरफ्तार हुए केजरीवाल को तुरंत रिहा किया जाए। उन्हें ईडी ने झूठे मुकदमे में फंसाया है। पार्टी ने एक्स पर पोस्ट में कहा- तानाशाही के खिलाफ पूरा देश एकजुट है। आओ मिलकर देश के बेटे के लिए आवाज उठाएं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# परिवारवाद की जकड़न में फसता लोकतंत्र

सुरेश हिंदुस्तानी

**भारत में लोकतंत्र को बचाने के लिए परिवारवाद को राजनीति से अलग करने की जरूरत है, क्योंकि जहां परिवार को आगे बढ़ाने की राजनीति होगी, वहां लोकतंत्र के लिए कोई जगह ही नहीं बचेगी। लोकतंत्र जनता का होता है, जहां जनता को महत्व मिलेगा, वही तो लोकतंत्र है, और जहां परिवार को महत्व दिया जाता हो, वहां तानाशाह जैसी प्रवृति जन्म लेती है। उनको इसका अहंकार भी हो सकता है कि हम तो सत्ता के लिए ही बने हैं और यही अहंकार भारत के लोकतंत्र को कमजोर करता है।**

भारत एक मजबूत लोकतांत्रिक देश है। यह सभी जानते हैं कि भारत में जनता के लिए जनता का ही शासन है। जनता के शासन का सीधा तात्पर्य यही है कि जनता अपने बीच के किसी व्यक्ति को नायक बनाकर अपना प्रतिनिधि बनाती है। लोकतंत्र में जनता की पसंद और नापसन्द को ही महत्वपूर्ण माना जाता है, लेकिन आज हमारे देश में राजनीतिक दल अपने ही परिवार के कुछ लोगों को जबरदस्ती आगे करके नायक बनाने का खेल खेल रहीं हैं। यह खेल निश्चित रूप से लोकतंत्र को कमजोर करने वाला कहा जा सकता है। इस श्रेणी में एक या दो दल नहीं, कमोवेश हर राजनीतिक दल आज परिवारवाद की राह का अनुसरण करने के लिए अग्रसर हो रहा है। सवाल यह आता है कि आज नेता का बेटा या बेटी को ही विरासत सौंपने का चलन क्यों बढ़ रहा है, जबकि सारे राजनीतिक दल विशेषकर विपक्षी राजनीतिक दल लोकतंत्र को बचाने का नाराज बुलंद करने का सब्जबाग दिखा रहे हैं। अभी कुछ दिन पूर्व दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्षी राजनीतिक दलों ने लोकतंत्र बचाने के नाम पर एक रैली की, जिसमें परिवार को राजनीतिक विरासत सौपने की ही राजनीति दिखाई दी। इसका तात्पर्य यही हो सकता है कि अब विपक्षी दल लोकतंत्र के बजाय परिवारवाद को ज्यादा महत्वपूर्ण मान रहे हैं।

लोकसभा चुनाव में सत्ता चाह की रास्ते तलाश करने वाला विपक्ष आज पूरी तरह से परिवारवाद की राजनीति को ही चरितार्थ करने की ओर अग्रसर होता दिखाई दे रहा है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल की गिरफ़्तारी के पश्चात विपक्षी राजनीतिक दलों की राजनीति परिवार को आगे लाने की कवायद करने वाली ही लग रही है। पहले कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, शिवसेना उद्धव ठाकरे और राष्ट्रीय जनता दल केवल अपने परिवार को ही आगे करके राजनीति करते रहे और आज भी कर रहे हैं, लेकिन अब इस दिशा में आम आदमी पार्टी और झारखण्ड मुक्ति मोर्चा भी शामिल हो गयी है। मुख्यमंत्री केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने भी अब सक्रिय राजनीति में कदम रख दिया है। हालांकि वे जनता की सहानुभूति पाने के लिए अरविन्द केजरीवाल के राजनीतिक अस्तित्व को फिर से स्थापित करने का प्रयास करेंगी,

लेकिन केजरीवाल पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों पर विपक्ष की ओर से कोई भी बोलने के लिए तैयार नहीं है। जिस भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए आज से एक दशक पूर्व दिल्ली के रामलीला मैदान से पटकथा लिखी गई, आज वही रामलीला मैदान भ्रष्टाचार के आरोप लगने पर केजरीवाल को बचाने का गवाह बना। लोकतंत्र बचाने के नाम पर की गयी इस रैली को किसी आभासी प्रहसन से कम नहीं कहा जा सकता। अगर केजरीवाल ने कुछ किया नहीं होता तो उसे न्यायालय से आरोप मुक्त करके छोड़ दिया जाता। पहले प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत के बाद अब केजरीवाल न्यायिक हिरासत में दिल्ली की तिहाड़ जेल में हैं। ऐसे में यह भी स्पष्ट हो जाता है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल के पास अपने बचाव के लिए ठोस प्रमाण नहीं हैं। यह बात सही है कि एक समय दिल्ली की जनता भ्रष्टाचार और वर्तमान राजनीतिक कार्य प्रणाली से बहुत त्रस्त हो गई थी, ऐसी स्थिति में जनता को केजरीवाल में एक नायक दिखाई दिया, जो जननायक बनने की श्रेणी में आ सकता था, लेकिन जब उन पर और उनके मंत्रियों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगने लगे, तब इस पटकथा की इबारत बदली हुई सी लगने लगी। अब आप पार्टी के नेता और राज्यसभा के सांसद संजय सिंह दो लाख के निजी मुचलके पर जेल से सशर्त बाहर आए तो उनका स्वागत ऐसे किया गया, जैसे वे आरोप मुक्त हो गए हों। आम आदमी पार्टी के इस प्रकार के चरित्र को देखकर यही कहा जा सकता है कि जो पार्टी राजनीति में बदलाव लाने का सपना दिखाकर मैदान में आई थी, आज वह भी समय के अनुसार बदल गई है। खैरङ्घ यहां परिवारवाद की बात हो रही है। आप नेता संजय सिंह जेल से छूटने के बाद अरविन्द केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल से मिलने पहुंचे। यह वाकया निश्चित ही यह संकेत दे रहा है कि अब संभवतः सुनीता केजरीवाल दिल्ली में आम आदमी पार्टी के सपनों को पूरा करने वाली हैं।

यह बात एक दम प्रामाणिक रूप से कही जा सकती है कि भारतीय लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा परिवारवाद है, इसके बावजूद भी राजनीतिक दल अपने परिवार तक ही अपने दल को सीमित रखने की कवायद कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में यही कहा जा सकता है कि इन दलों को वास्तविक लोकतंत्र से कोई मतलब नहीं है। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद ने तो परिवारवाद की सीमाएं लांघ दी। उन्होंने बिना किसी राजनीतिक योग्यता के एक अनपढ़ पत्नी को राज्य की कमान सौंप दी। अब अपने पुत्रों को गद्दी सौंपने की तैयारी कर रहे हैं। इसी प्रकार दो बार लोकसभा के चुनावों में पराजय की स्थिति में पहुंचाने वाले विरासती पृष्ठभूमि के नेता राहुल गांधी भी परिवारवाद के ही परिचायक हैं। आज भले ही कांग्रेस ने अपना राष्ट्रीय अध्यक्ष बदल दिया हो, लेकिन वे भी राहुल गांधी को किनारे करने का साहस नहीं दिखा सकते। कांग्रेस के बारे में यही कहा जा सकता है कि वह आज भी परिवारवाद के चंगुल से बाहर नहीं निकल सकी है। कुछ ऐसा ही नहीं, बल्कि इससे ज्यादा परिवारवाद समाजवादी पार्टी में दीखता है। मुलायम सिंह के परिवार के लगभग सभी सदस्य या तो विधायक और सांसद हैं या रह चुके हैं। बसपा नेता मायावती ने भी अपनी विरासत अपने परिवार को ही सौंपी है। ऐसे उदाहरण से क्षेत्रीय दल भी अछूते नहीं हैं। महाराष्ट्र में शिवसेना उद्धव गुट पर परिवार कायम है तो नेशनल कान्फ्रेंस पर शेख अब्दुल्लाह का परिवार ही कमान संभाल रहा है। खास बात यह है कि यह सभी परिवार पार्टी के मुखिया ने ही स्थापित किए हैं। लोकतंत्र में ऐसी राजनीति नहीं होना चाहिए।

भारत में लोकतंत्र को बचाने के लिए परिवारवाद को राजनीति से अलग करने की जरुरत है, क्योंकि जहां परिवार को आगे बढ़ाने की राजनीति होगी, वहां लोकतंत्र के लिए कोई जगह ही नहीं बचेगी। लोकतंत्र जनता का होता है, जहां जनता को महत्व मिलेगा, वही तो लोकतंत्र है, और जहां परिवार को महत्व दिया जाता हो, वहां तानाशाह जैसी प्रवृति जन्म लेती है। उनको इसका अहंकार भी हो सकता है कि हम तो सत्ता के लिए ही बने हैं और यही अहंकार भारत के लोकतंत्र को कमजोर करता है। इसलिए अब इस बात की बहुत आवश्यकता है कि भारत में लोकतंत्र को कायम करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं, नहीं तो जनता के शासन के स्थान पर परिवारवाद के सहारे तानाशाही का राजनीति कायम हो जाएगा।

## संपादकीय

# वोटर वैरिफाइड पेपर ऑडिट ट्रेल पर्चियों की पूरी गिनती की मांग

यह अनिवार्य है कि निर्वाचन प्रक्रिया के किसी भी स्तर पर उठने वाले संदेहों का पूरा निवारण किया जाए। लोकतंत्र में यह विश्वास सबसे महत्त्वपूर्ण होता है कि चुनाव के जरिए वास्तविक जनमत की अभिव्यक्ति हुई है। तभी जनादेश सर्व-स्वीकृत बना रहता है। सुप्रीम कोर्ट ने आश्वासन दिया है कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में दर्ज होने वाले वोट और उससे संबंधित वीवीपैट पर्चियों की पूरी गिनती की अर्जियों पर वह समय रहते अपना निर्णय देगा। लेकिन फिलहाल संकेत यह मिला है कि अदालत ने इस मसले को सर्वोच्च प्राथमिकता नहीं दी है। वरना, सुनवाई दो हफ्तों के लिए नहीं टाली जाती। समस्या यह है कि 19 अप्रैल से मतदान शुरू हो जाएगा। यह तारीख जितनी करीब आएगी, निर्वाचन आयोग की यह दलील उतनी ठोस होती जाएगी कि इस मामले में सिस्टम बदलने के लिए पर्याप्त समय नहीं बचा है। इस मामले में निर्वाचन आयोग के रुख पर पहले से कई सवाल रहे हैं। जबकि ना सिर्फ विपक्ष, बल्कि सिविल सोसायटी के भी बहुत बड़े दायरे में चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गहराते शक के साथ वीवीपैट पर्चियों की पूरी गिनती की मांग जोर पकड़ती गई है। मुमकिन है कि इन संदेहों में कोई दम ना हो। इसके बावजूद यह अनिवार्य है कि निर्वाचन प्रक्रिया के किसी भी स्तर पर उठने वाले संदेहों का पूरा निवारण किया जाए। लोकतंत्र में यह विश्वास सबसे महत्त्वपूर्ण होता है कि चुनाव के जरिए वास्तविक जनमत की अभिव्यक्ति हुई है। तभी मिला जनादेश सर्व-स्वीकृत बना रहता है। अगर इसके विपरीत धारणाएं बनीं, तो फिर पराजित पक्ष अपनी हार को सहजता से स्वीकार नहीं कर पाता, जिससे पूरे राजसत्ता की वैधता को चुनौती मिलने की दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थितियां पैदा हो सकती हैं। इसलिए इसे आवश्यक माना जाता है कि मतदाता सूची तैयार करने से लेकर चुनाव परिणाम की घोषणा तक का हर कदम विश्वसनीय ढंग से उठाया जाए। दुर्भाग्य से इनमें से कुछ प्रक्रियाओं पर आज संदेह पैदा हो गया है। इसीलिए सुप्रीम कोर्ट ने जब वीवीपैट संबंधी अर्जियों पर फिर से सुनवाई का फैसला किया, तो उससे समाज के एक बड़े हिस्से में उम्मीद पैदा हुई। वीवीपैट पर्चियों की गिनती के खिलाफ व्यावहारिक दिक्कत संबंधी कई दलीलें दी जाती हैं। लेकिन चुनाव प्रक्रिया को संदेहों से परे बनाए रखने के लिए तमाम दिक्कतों को बेहिचक स्वीकार की जानी चाहिए। आशा है, अपना निर्णय देते वक्त सुप्रीम कोर्ट इस आकांक्षा को ध्यान में रखेगा।

## चिंतन-मनन

# सच्चे ज्ञानी की विशेषता

व्यक्ति सत्संगति से तीन वस्तुओं को-शरीर, शरीर का स्वामी या आत्मा तथा आत्मा के मित्र को- एक साथ संयुक्त देखता है, वही सच्चा ज्ञानी है। जब तक आध्यात्मिक विषयों के वास्तविक ज्ञाता को संगति नहीं होती, वे अज्ञानी हैं, वे केवल शरीर को देखते हैं, और जब यह शरीर विनष्ट हो जाता है, तो समझते हैं कि सब कुछ नष्ट हो गया। लेकिन वास्तविकता यह नहीं है। शरीर के विनष्ट होने पर आत्मा तथा परमात्मा का अस्तित्व बना रहता है, और वे अनेक विविध चर तथा अचर रूपों में सदैव जाते रहते हैं। कभी-कभी संस्कृत शब्द परमेर का अनुवाद जीवात्मा के रूप में किया जाता है, क्योंकि आत्मा ही शरीर का स्वामी है और शरीर के विनाश होने पर वह अन्यत्र देहांतरण कर जाता है। इस तरह वह स्वामी है। लेकिन कुछ लोग इस परमेश्वर का अर्थ परमात्मा लेते हैं। प्रत्येक दशा में परमात्मा तथा आत्मा दोनों रह जाते हैं। वे विनष्ट नहीं होते। जो इस प्रकार देख सकता है, वही वास्तव में देख सकता है कि क्या घटित हो रहा है।

जीव, अपना भौतिक अस्तित्व स्वीकार करने के कारण अपने आध्यात्मिक अस्तित्व से पृथक स्थित हो गया है। किंतु यदि वह यह समझता है कि परमेश्वर अपने परमात्मा स्वरूप में सर्वत्र स्थित हैं, अर्थात यदि वह भगवान की उपस्थिति प्रत्येक वस्तु में देखता है, तो वह विघटनकारी मानसिकता से अपने आपको नीचे नहीं गिराता, और इसीलिए वह प्रमशः वैकुण्ठ-लोक की ओर बढ़ता जाता है। सामान्यतया मन इंद्रियतृप्तिकारी कार्यों में लीन रहता है, लेकिन जब वही परमात्मा की ओर उन्मुख होता है, तो मनुष्य आध्यात्मिक ज्ञान में आगे बढ़ जाता है। यह शरीर परमात्मा के निदेर्शानुसार प्रकृति द्वारा बनाया गया है और मनुष्य के शरीर के जितने भी कार्य संपन्न होते हैं, वे उसके द्वारा नहीं किए जाते। मनुष्य जो भी करता है, चाहे सुख के लिए करे या दुख के लिए, वह शारीरिक रचना के कारण उसे करने के लिए बाध्य होता है।

# भारतीय अर्थव्यवस्था लम्बी छलांग लगाने को तैयार

प्रहलाद सबनानी

वित्तीय वर्ष 2023-24 की तृतीय तिमाही (अक्टोबर-दिसम्बर 2023) में भारत में आर्थिक विकास की दर 8.4 प्रतिशत रही है। कुछ विदेशी अर्थशास्त्री भारत की आर्थिक विकास दर को कमतर आंकते हुए दिखाई दे रहे हैं जबकि यह लगातार तिमाही दर तिमाही आगे बढ़ती ही जा रही है। अब तो विश्व की कई आर्थिक एवं वित्तीय संस्थानों ने भी वर्ष 2024 के लिए भारत की आर्थिक विकास दर के सम्बंध में अपने अनुमानों को बेहतर किया है, परंतु अभी भी इन संस्थानों के यह अनुमान वास्तविक आर्थिक विकास दर की तुलना में बहुत कम हैं। दरअसल, विदेशी आर्थिक एवं वित्तीय संस्थानों द्वारा विशेष रूप से भारत की आर्थिक विकास दर को आंके जाने के सम्बंध में उपयोग किए जा रहे मॉडल अब बोथरे साबित हो रहे हैं। हाल ही के समय में भारत के नागरिकों में ह्रस्वह्व का भाव विकसित होने के चलते देश में धार्मिक पर्यटन बहुत तेज गति से बढ़ा है। उदाहरण के लिए अयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर में श्रीराम लला के विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा के पश्चात प्रत्येक दिन औसतन 2 लाख से अधिक श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं। यह तो केवल अयोध्या की कहानी है इसके साथ ही काशी विश्वनाथ मंदिर, उज्जैन में महाकाल लोक, जम्मू स्थित वैष्णो देवी मंदिर, उत्तराखंड में केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री एवं यमनोत्री जैसे कई मंदिरों में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ रही है। भारत में धार्मिक पर्यटन में आई जबरदस्त तेजी के बदौलत रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं, जो देश के आर्थिक विकास को गति देने में सहायक हो रहे हैं। परंतु, यह तथ्य विदेशी आर्थिक एवं वित्तीय संस्थानों को दिखाई नहीं दे रहा है, जो कि केवल भारत की ही विशेषता है।

उक्त तथ्यों के अतिरिक्त अन्य कई कारक भी भारत की आर्थिक विकास दर को अब 9 से 10 प्रतिशत की सीमा में ले जाने को तैयार दिखाई दे रहे हैं। आज भारतीय अर्थव्यवस्था की तुलना में भारत से आगे चल रही विश्व के अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाओं की विकास दर में ठहराव आ गया है। जैसे अमेरिका एवं यूरोप की अर्थव्यवस्थाएं आगे आने वाले समय में प्रतिवर्ष केवल 2 अथवा 3 प्रतिशत की दर से ही आगे बढ़ पाएंगी। इसी प्रकार चीन की अर्थव्यवस्था भी अब ढलान पर दिखाई दे रही है। जापान एवं जर्मनी की अर्थव्यवस्थाओं में तो आर्थिक मंदी देखी जा रही है। इस प्रकार विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत के अमृत काल में केवल भारतीय अर्थव्यवस्था ही तेज गति आगे बढ़ती दिखाई दे रही है। वैसे भी भारत में अमृत काल तो अभी शुरू ही हुआ है एवं यह अगले 23 वर्षों अर्थात वर्ष 2047 तक यह खंडकाल जारी रहेगा। कुछ अर्थशास्त्री तो भारत के अमृत काल के बाद भी भारतीय अर्थव्यवस्था के इसी तरह तेज गति से आगे बढ़ते रहने की संभावनाएं व्यक्त कर रहे हैं क्योंकि भारत में वर्ष 1991-92 में प्रारम्भ किए आर्थिक एवं वित्तीय क्षेत्र के सुधार कार्यक्रम को अब 32 वर्ष पूर्ण हो गए हैं, हालांकि वर्ष 1991-92 के बाद भी भारत में आर्थिक एवं वित्तीय क्षेत्रों में सुधार कार्यक्रम लगातार जारी रहे हैं। अतः स्थिर हो चुके इन सुधार कार्यक्रमों के फल खाने का समय अब आ गया है।

भारत द्वारा वर्ष 1947 में राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात, पिछले 77 वर्षों के दौरान भारत में लोकतंत्र लगातार मजबूत हुआ है एवं आज पूरे विश्व में भारत इस दृष्टि से प्रथम पायदान पर खड़ा है। भारत में लोकतंत्र के लगातार मजबूत होते जाने से विदेशी निवेशकों का भारत में विश्वास बढ़ा है जिसके चलते भारत में उद्योग जगत को पूंजी की कमी नहीं के बराबर रही है। पर्याप्त पूंजी की उपलब्धता के चलते भारत में आर्थिक विकास को गति ही मिली है। भारत में लगातार तेज हो रही आर्थिक विकास की दर के कारण भारत में बिलिनियर (100 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की सम्पत्ति वाले नागरिक) की संख्या में सुधार हुआ है। पिछले वर्ष भारत में 94 नए बिलिनियर बने हैं। जबकि चीन में 115 बिलिनियर कम हुए हैं। विश्व में बिलिनियर की संख्या के मामले में भारत चीन एवं अमेरिका के बाद तीसरे स्थान पर आ गया है। भारत में आज 271 बिलिनियर हैं जबकि चीन में 814 एवं अमेरिका में 800 बिलिनियर हैं। मुंबई महानगर में तो अब 92 बिलिनियर निवास कर रहे हैं, जो चीन के बीजिंग महानगर के 91 बिलिनियर से अधिक है। इस प्रकार अब एशिया के किसी भी महानगर में सबसे अधिक बिलिनियर भारत के मुंबई महानगर में निवास कर रहे हैं। पूरे विश्व भारत के मुंबई महानगर से आगे अब केवल अमेरिका का न्यूयॉर्क महानगर (119 बिलिनियर) एवं ब्रिटेन का लंदन महानगर (97 बिलिनियर) ही है। वर्ष 2022-23 में चीन में बिलिनियर की संख्या घटी है। चीन में बिलिनियर की सम्पत्ति 15 प्रतिशत से कम हुई है। जबकि भारत में बिलिनियर की सम्पत्ति में वृद्धि दर्ज हुई है। यह भारत में तेज गति से हो रहे आर्थिक विकास दर के चलते सम्भव हो सका है।

एक और कारक जो आगे आने वाले समय में भारत की आर्थिक विकास दर को लगातार उच्च स्तर पर बनाए रखने में सहायक हो सकता है वह है भारत में प्रति व्यक्ति वार्षिक औसत आय का लगभग 2500 अमेरिकी डॉलर का होना है जो चीन में 13,000 से 14,000 अमेरिकी डॉलर के एवं दक्षिणी कोरीया में 32,000 से 33,000 अमेरिकी डॉलर के बीच की तुलना में बहुत कम है। इस दृष्टि से भारत को अभी बहुत आगे तक जाना है और यह केवल आर्थिक विकास की औसत दर को 10 प्रतिशत प्रतिवर्ष के आसपास बनाए रखने से ही सम्भव होगा। इस प्रकार भारतीय नागरिकों में अपनी औसत आय को विकसित देशों की तुलना में बेहतर करने की अभी बहुत गुंजाईश है और यह भावना भारत की आर्थिक विकास दर को बढ़ाए रखने में सहायक होगी। दूसरे, भारत में तकनीकी क्षेत्र विशेष रूप से सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विकास की दर बहुत प्रभावकारी है, डिजिटल क्षेत्र में तो भारत आज पूरे विश्व को ही राह दिखाता नजर आ रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विकास के चलते भारत में विभिन्न क्षेत्रों में श्रमिकों, व्यवसाईयों, प्रबंधकों, कृषकों आदि की उत्पादकता में भी सुधार दृष्टिगोचर है जो निश्चित ही भारत में आर्थिक विकास की गति को तेज करने में सहायक होगा।

# वैश्विकी : अमेरिका के बदलते तेवर

डॉ. दिलीप चौबे

भारत और अमेरिका के संबंध क्या पटरी से उतर रहे हैं? अंतरराष्ट्रीय हलकों में आजकल यह चर्चा का विषय बना हुआ है। दोनों देशों के बीच संबंध इतने व्यापक हैं कि इस तरह की आशंका अतिरंजित लगती है। अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों की संख्या तथा वहां के जन-जीवन में इस समुदाय के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए ऐसा नहीं लगता कि संबंधों में खास गिरावट आएगी। लेकिन इतना जरूर है कि अमेरिका के तेवर बदल रहे हैं। पश्चिमी देशों की मीडिया और वहां के थिंक टैंक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार की प्रखर नीतियों को लेकर शुरू से ही आलोचना करते रहे हैं। उनकी ओर से बाइडन प्रशासन को यह नसीहत दी जाती है कि भारत एक उदारवादी और लोकतांत्रिक शासन प्रणाली पर खरा नहीं उतर रहा है।

इसलिए वह अमेरिका का विश्वसनीय सहयोगी नहीं बन सकता। यूक्रेन युद्ध के बावजूद भारत ने पश्चिमी देशों के दबावों के बावजूद रूस के साथ अपने संबंधों में कोई कमी नहीं की। संबंध पहले जैसे ही मजबूत बने हुए हैं। इस बीच बाइडन प्रशासन ने चीन के साथ अपने संबंधों में तनाव कम करने के लिए कई पहल की हैं। लगता है कि अमेरिकी प्रशासन पहले रूस से निपटने की तैयारी में है। फिलहाल वह एशिया में चीन के खिलाफ दूसरा मोर्चा खोलने के पक्ष में नहीं है। इस नई नीति के कारण अमेरिका को अब भारत के समर्थन की दरकार नहीं है। यही कारण है कि क्वाड की गतिविधियां शिथिल पड़ गई हैं। इसके विपरीत एशिया के अन्य देशों जापान, दक्षिण कोरिया, फिलिपींस और ऑस्ट्रेलिया के साथ अपना सहयोग बढ़ा रहा है।

भारत के लिए चिंता का विषय अमेरिका और पाकिस्तान के संबंधों में आ रही गर्मजोशी है। राष्ट्रपति बाइडन ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को पत्र लिखकर द्विपक्षीय संबंधों को फिर से सक्रिय बनाने की मंशा जाहिर की है। उसके बाद विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने भी पाकिस्तान के विदेश मंत्री से टेलीफोन पर बात की। पिछले दिनों ईरान के सिस्तान में आतंकवादी हमला हुआ जिसके लिए पाकिस्तान में पनाह लिये आतंकवादियों को दोषी माना गया। पहले भी ईरान में इसी तरह के हमले हुए थे, जिसके बाद उसने पाकिस्तान में आतंकवादी अड्डों को निशाना बनाया था। नए हमले में ईरान के चाबहार इलाके को भी निशाना बनाया गया।

चाबहार में बंदरगाह प्लेटफार्म के रूप में भारत की रणनीतिक संपदा है। भारत, रूस और ईरान इस गलियारे और चाबहार बंदरगाह पर किसी तरह के खतरे को बर्दाश्त नहीं कर सकते। संभव है कि आने वाले दिनों में ये देश कोई सुरक्षा रणनीति तय करें। पाकिस्तान ने अमेरिका और पश्चिमी देशों की सहानुभूति और समर्थन हासिल करने के लिए ब्रिटेन के अखबार ह्यगार्जियनह्ल की रिपोर्ट का सहारा लिया है। इस अखबार में अपनी कथित खोजबीन के आधार पर आरोप लगाया है कि भारत ने पाकिस्तान की सरजमीं पर कम-से-कम 20 लोगों की हत्या की है। अखबार इन्हें आतंकवादी नहीं पाकिस्तान का नागरिक मानता है। इस रिपोर्ट के प्रकाशित होने के बाद रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के बयान को भी पाकिस्तान ने बहुत तूल दी है।

रक्षा मंत्री ने आतंकवादियों को ह्यघर में घुसकरह्ल मारने की बात कही थी। उनका इशारा उरी हमले के बाद सर्जिकल स्ट्राइक और पुलवामा हमले के बाद बालाकोट एअरस्ट्राइक की ओर था। लेकिन पाकिस्तान ने इसे अमेरिका और कनाडा में हुई घटनाओं से जोड़ने की कोशिश की। पश्चिमी देश अमेरिका और कनाडा के खालिस्तानी आतंकवादियों के खिलाफ भारत की कार्रवाइयों को लेकर नई दिल्ली को कठघरे में खड़ा करने की कोशिश करते रहे हैं। खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू को बचाने के लिए अमेरिका ने द्विपक्षीय संबंधों को दांव पर लगा दिया है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इस विवाद को सीमित रखने की हरसंभव कोशिश की है लेकिन कहना मुश्किल है कि अमेरिका भविष्य में अपने तेवर में बदलाव करेगा। पश्चिमी देशों की मीडिया को ध्यान में रखना चाहिए कि भारत में इन दिनों चुनाव का मौसम है। चुनाव प्रचार में विदेश और रक्षा नीति भी प्रमुख मुद्दा हैं। सत्ता और विपक्ष के नेता अपनी चुनावी सभाओं में जो भाषण देते हैं, कोई जरूरी नहीं कि वह सरकार की नीति हो। इनके भाषणों के आधार पर राय कायम करना नासमझी होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## भारत-सिंगापुर के बीच व्यापार 35.6 अरब डॉलर पहुंचा

सिंगापुर । सिंगापुर और भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2022-23 में बढ़कर 35.6 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया, जो सालाना आधार पर 18.2 प्रतिशत अधिक है। भारतीय उच्चायोग में प्रथम सचिव (वाणिज्य) टी प्रभाकर ने कहा कि सिंगापुर भारत का आठवां सबसे बड़ा व्यापार भागीदार है, जिसकी भारत के कुल व्यापार में 3.1 प्रतिशत हिस्सेदारी है। प्रभाकर सिंगापुर में आयोजित इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (आईसीएसआई) के तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। प्रभाकर ने कहा कि सिंगापुर और भारत के बीच व्यापार में 2022-23 के दौरान 18.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह बढ़कर 35.6 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया।

## ब्रिटेन में कैथलीन का कहर, दर्जनों उड़ानें रद्द

लंदन । तूफान कैथलीन यूनाइटेड किंगडम में कहर बरपा रहा है। इसके चलते ब्रिटेन की दर्जनों उड़ानें रद्द कर दी गईं। एडिनबर्ग, बेलफास्ट, मैनचेस्टर और बर्मिंघम में हज़ारों यात्री फंस गए। मौसम कार्यालय ने इंग्लैंड के अलावा आयरलैंड, स्कॉटलैंड और वेल्स के कुछ हिस्सों के लिए चेतावनी जारी की है। बताया गया है कि ख़राब मौसम के चलते ब्रिटेन के हवाई अड्डों पर प्रस्थान करने वाली और पहुंचने वाली 130 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गईं। तूफान के कारण पूरे ब्रिटेन में तापमान भी बढ़ गया। स्कॉटलैंड में उड़ानों के अलावा रेल और नौका सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं। पर्यावरण एजेंसी ने 14 अलर्ट जारी किये हैं, जहां बाढ़ का खतरा है। एक रिपोर्ट के अनुसार मौसम कार्यालय ने चेतावनी दी है कि समुद्र से उठने वाली लहरें तटों, तटीय सड़कों और मकानों तक आ सकती हैं, जिससे जान माल का नुकसान हो सकता है।

## डेनिस फ्रांसिस ने भारत में डिजिटलीकरण कार्यक्रम की सराहना की

संयुक्त राष्ट्र । संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष डेनिस फ्रांसिस ने भारत के डिजिटलीकरण कार्यक्रम की सराहना की है, जिससे वित्तीय समावेशन और गरीबी कम करने में मदद मिली है। उन्होंने कहा कि इससे देश को तुलनात्मक लाभ मिला है और इसके सबक को वैश्विक समुदाय के साथ साझा किया जा सकता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 78वें सत्र के अध्यक्ष फ्रांसिस ने यहां एक विशेष साक्षात्कार में बताया कि सबसे पहले मैं यह कहना चाहता हूं कि जब से मैं भारत से लौटा हूं, उसके बाद जब भी मैं भारत के बारे में सोचता हूं, मुझे अतुल्य भारत याद आता है। मैं पूरी गंभीरता से कहा रहा हूं और जब मैं वहां था, तब मैंने इसे महसूस किया। उन्होंने कहा कि इस संबंध में मैं जिस विशिष्ट उदाहरण का उल्लेख कर सकता हूं, वह है भारत में डिजिटलीकरण का उपयोग। उन्होंने देश के पर्यटन वाक्य अतुल्य भारत का जिक्र किया। फ्रांसिस इस साल 22-26 जनवरी तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर थे। इस दौरान उन्होंने नयी दिल्ली में विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ द्विपक्षीय बैठक की और जयपुर तथा मुंबई की यात्रा भी की। उन्होंने गरीबी को कम करने तथा सिर्फ एक हैंडसेट और डिजिटलीकरण मॉडल के उपयोग से लाखों लोगों को औपचारिक आर्थिक प्रणाली में लाने के लिए भारत के डिजिटलीकरण कार्यक्रम की सराहना की। उन्होंने कहा किया कि डिजिटलीकरण महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह लागत को कम करता है, अर्थव्यवस्थाओं को अधिक कुशल बनाता है और सेवाओं को सस्ता बनाता है।

# बीते सप्ताह तेल-तिलहन कीमतों में सुधार का रुख रहा

### सरसों की मंडियों में आवक 16-16.25 लाख बोरी तक जा पहुंची थी

**नई दिल्ली ।**

शादी-विवाह के मौसम एवं नवरात्र से पहले खाने के तेलों की बढ़ती मांग तथा देश में आयातित खाने के तेलों की कम आपूर्ति के बीच बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में सुधार का रुख देखा गया। इस दौरान सरसों, मूंगफली, सोयाबीन तेल तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल तेजी के साथ बंद हुए। बाजार के जानकार सूत्रों ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह से पहले सरसों की मंडियों में आवक 16-16.25 लाख बोरी तक जा पहुंची थी। इसके अलावा हरियाणा और श्रीगंगानगर में सरसों की फसल देर से आती है। इसलिए अप्रैल में सरसों की आवक बढ़ने की अपेक्षा की जा रही थी लेकिन आवक बढ़ने के बजाय 9-9.25 लाख बोरी पर स्थिर बनी हुई है। इस बीच अधिकांश राज्यों में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर सरसों की सरकारी खरीद भी शुरु हो गई है। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 60 रुपये की तेजी के साथ 5,435-5,475 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का भाव 75 रुपये बढ़कर 10,425 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 15-15 रुपये की तेजी के साथ क्रमशः 1,765-1,865 रुपये और 1,765-1,880 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और लूज का भाव क्रमशः 105-105 रुपये की तेजी के साथ क्रमशः 4,740-4,760 रुपये प्रति क्विंटल और 4,540-4,580 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी तरह सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम तेल का भाव क्रमशः 150 रुपये, 100 रुपये और 50 रुपये की तेजी के साथ क्रमशः 10,700 रुपये और 10,450 रुपये और 9,075 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तिलहन के दाम 50 रुपये की तेजी के साथ 6,180-6,455 रुपये क्विंटल पर बंद हुए। मूंगफली गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल के भाव भी क्रमशः 150 रुपये और 20 रुपये की तेजी के साथ क्रमशः 15,000 रुपये क्विंटल और 2,270-2,545 रुपये प्रति टिन पर बंद हुए।

## वोडाफोन आइडिया आदित्य बिड़ला समूह की कंपनी को बेचेगी शेयर

**नई दिल्ली ।** वोडाफोन आइडिया के निदेशक मंडल ने आदित्य बिड़ला समूह की इकाई को 2,075 करोड़ रुपये के तरजीही शेयर बेचने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। निदेशक मंडल ने ओरियाना इन्वेस्टमेंट्स को 14.87 रुपये प्रति इक्विटी शेयर की दर से 10 रुपये अंकित मूल्य के 1,39,54,27,034 इक्विटी शेयर जारी करने की मंजूरी दे दी। इस प्रकार इन शेयरों के लिए कुल 2,075 करोड़ रुपये का भुगतान करना होगा। आदित्य बिड़ला समूह ओरियाना इन्वेस्टमेंट्स के प्रवर्तकों में से एक है। आईसीडीआर के नियमों के अनुरूप तरजीही शेयरों की न्यूनतम कीमत निर्धारित करने के लिए प्रासंगिक तारीख 8 अप्रैल है। शुक्रवार, 5 अप्रैल को बाजार बंद होते समय वोडाफोन आइडिया के शेयर 0.30 प्रतिशत की गिरावट के साथ 13.32 रुपये प्रति शेयर पर रहे। निदेशक मंडल ने कंपनी की अधिकृत शेयर पूंजी को मौजूदा 75 हजार करोड़ रुपये से बढ़ाकर एक लाख करोड़ रुपये करने की भी मंजूरी दी। निदेशक मंडल द्वारा पारित इन प्रस्तावो को मंजूरी देने के लिए बुधवार, 8 मई को कंपनी की एक असाधारण आम बैठक बुलाई गई है।

## बच्ची की जान बचाने लड़की ने एलेक्सा की ली मदद, महिंद्रा ने किया जाब आफर

**नई दिल्ली ।** देश के प्रमुख कारोबारी और महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सक्रिय रहते हैं। वह लोगों से जुड़ने के लिए तरह-तरह की पोस्ट भी शेयर करते हैं। अपने मजेदार पोस्ट की वजह से उनकी काफी अच्छी फैन फॉलोइंग है। एक बार फिर आनंद महिंद्रा चर्चा में हैं। दरअसल, आनंद महिंद्रा ने उस लड़की को नौकरी की पेशकश की, जिसने एलेक्सा की मदद लेकर खुद को और अपनी छोटी बहन को बंदर के हमले से बचाया था। दरअसल, उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले की रहने वाली एक 13 साल की बच्ची ने एलेक्सा डिवाइस की मदद से न सिर्फ अपने घर से बंदर को भगाया बल्कि अपनी सूझ-बूझ से 15 महीने की बच्ची को भी बचाया। कथित तौर पर लड़की ने अपनी बहन के कमरे में घुसे बंदर को डराने के लिए एलेक्सा को कुत्ते की तरह भौंकने का निर्देश दिया। रणनीति काम कर गई और लड़की ने सफलतापूर्वक खुद को और अपनी बहन को बचा लिया। इस घटना पर प्र तिक्रिया देते हुए आनंद महिंद्रा ने एक्स हैंडल पर लिखा कि हमारे युग का प्रमुख प्रश्न यह है कि क्या हम टेक्नोलॉजी के गुलाम बनेंगे या स्वामी। इस युवा लड़की की कहानी यह दिलासा देती है कि टेक्नोलॉजी हमेशा ह्यूमन टैलेंट को बढ़ावा देने वाली रहेगी। उसकी त्वरित सोच असाधारण थी। लड़की ने पूरी तरह से अप्रत्याशित दुनिया में नेतृत्व की क्षमता दिखाई है। अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद, अगर वह कभी कॉर्पोरेट जगत में काम करने का फैसला करती है तो मुझे उम्मीद है कि महिंद्रा राइज में हम उसे हमारे साथ जुड़ने के लिए मना पाएंगे।

# वैश्विक घटनाक्रम और कंपनियों के नतीजों पर रहेगी बाजार की नजर: विश्लेषक

### - रुपए-डॉलर के रुझान और कच्चे तेल के उतार-चढ़ाव से भी बाजार की दिशा तय होगी

**नई दिल्ली ।**

वैश्विक बाजार के मिलजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर हुई लिवाली की वजह से बीते सप्ताह आधे प्रतिशत से अधिक की तेजी में रहे घरेलू शेयर बाजार की इस सप्ताह वैश्विक रुझानों, व्यापक आर्थिक आंकड़ों और कंपनियों के तिमाही नतीजों पर` निर्भर करेंगी। ईद-उल-फितर के मौके पर गुरुवार को शेयर बाजार में कारोबार नहीं होगा। कारोबारियों ने कहा कि विदेशी निवेशकों का रुख, रुपये-डॉलर के रुझान और कच्चे तेल की कीमतें भी उतार-चढ़ाव से भी बाजार की दिशा तय होगी। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि भारतीय कंपनियां इस सप्ताह चौथी तिमाही के वित्तीय नतीजों की घोषणा शुरू करेंगी। इस क्रम में आईटी सेवा कंपनी टीसीएस सबसे पहले अपने नतीजे घोषित करने वाली है। टीसीएस के नतीजे 12 अप्रैल को जारी होंगे। उन्होंने बताया कि भारत के औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े भी 12 अप्रैल को घोषित किए जाएंगे और इसी दिन मार्च के लिए मुद्रास्फीति की घोषणा की जाएगी। निवेशक डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल, कच्चे तेल की कीमतों और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) और घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की निवेश गतिविधियों पर करीब से नजर रखेंगे। पिछले हफ्ते बीएसई बेंचमार्क 596.87 या 0.81 फीसदी चढ़ गया। सूचकांक चार अप्रैल को 74,501.73 के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। बाजार के जानकार कहते हैं कि इस सप्ताह तिमाही नतीजे आने शुरू होंगे और सभी का ध्यान मुख्य रूप से आईटी शेयरों पर होगा। विश्लेषकों के अनुसार अमेरिका में इस वर्ष मार्च में रोजगार के आंकड़े मजबूत रहे। इससे ब्याज दरों में कटौती शुरू करने में और विलंब होने की संभावना है। साथ ही फेडरल रिजर्व आगे जारी होने वाले महंगाई आंकड़े का भी इंतजार कर सकता है। इस सप्ताह फेड के रुख का बाजार पर असर रहेगा। इसके अलावा ईरान और इजरायल के बीच झड़प से कच्चे तेल की कीमत, डॉलर इंडेक्स और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के निवेश प्रवाह पर भी बाजार की नजर रहेगी। स्थानीय स्तर पर मार्च के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा महंगाई और टीसीएस समेत कई दिग्गज कंपनियों के 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष की चौथी तिमाही और पूरे वित्त वर्ष के परिणाम जारी होने वाले है। इस सप्ताह बाजार को दिशा देने में इन कारकों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

# चालू वित्त वर्ष में मारुति सुजुकी का तीन लाख इकाई निर्यात का लक्ष्य

### - निर्यात बाजारों में और अधिक मॉडल पेश करने की योजना

**नई दिल्ली ।**

पिछले वित्त वर्ष में रिकॉर्ड निर्यात से उत्साहित मारुति सुजुकी इंडिया का कहना है कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 में उसका निर्यात तीन लाख इकाई से अधिक हो जाएगा। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि निर्यात के लिए 2030 तक आठ लाख इकाई का लक्ष्य है। मारुति सुजुकी 100 से अधिक देशों में फैले अपने विभिन्न निर्यात बाजारों में और अधिक मॉडल पेश करने की योजना बना रही है, साथ ही वितरण नेटवर्क को भी बढ़ा रही है। मारुति सुजुकी इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि लगभग तीन साल पहले तक हमारा निर्यात सालाना 1 से 1.2 लाख कारों के दायरे में था। एक राष्ट्रीय नजरिए और एक व्यावसायिक महत्वाकांक्षा के तहत हमने इन स्तरों से भारी वृद्धि करने का फैसला किया और 2022-23 में हम लगभग 2.59 लाख इकाइयों पर पहुंच गए। इसके बाद 2023-24 में हमने 2.83 लाख इकाइयों के निर्यात का आंकड़ा पूरा किया। उन्होंने कहा कि बीते वित्त वर्ष में जब बाकी कार उद्योग का निर्यात वास्तव में तीन प्रतिशत कम हो गया, मारुति सुजुकी का निर्यात लगभग 9.3 प्रतिशत बढ़कर 2.83 लाख इकाई हो गया। उन्होंने बताया कि इस साल भारत से कार निर्यात में मारुति सुजुकी की 42 प्रतिशत हिस्सेदारी रही। कंपनी

की रणनीति भारत के निर्यात को बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार के लक्ष्य के अनुरूप है। उन्होंने कहा कि कंपनी की इलेक्ट्रिक कारों का उत्पादन वित्त वर्ष 2024-25 में शुरू होगा और इसका निर्यात जापान और यूरोप जैसे उन्नत बाजारों में किया जाएगा।

## एफपीआई ने अप्रैल में घरेलू शेयर बाजारों से 325 करोड़ निकाले

नई दिल्ली । विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) ने इस महीने के पहले सप्ताह में घरेलू शेयर बाजारों से 325 करोड़ रुपये निकाले। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक मार्च में 35,000 करोड़ रुपये और फरवरी में 1,539 करोड़ रुपये का निवेश करने के बाद एफपीआई ने शुद्ध निकासी की। एक बाजार विशेषज्ञ ने कहा कि अमेरिका में 10-वर्षीय बॉन्ड का प्रतिफल बढ़कर 4.4 प्रतिशत हो गया है, जिससे निकट अवधि में भारत में एफपीआई निवेश प्रभावित होगा। उन्होंने कहा कि उच्च अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल के बावजूद एफपीआई की बिक्री सीमित रहेगी, क्योंकि भारतीय शेयर बाजार में तेजी है और यह लगातार नए रिकॉर्ड बना रहा है। कैपिटलमाइंड के एक वरिष्ठ शोध विश्लेषक ने कहा कि आम चुनाव के बाद या अमेरिकी फेडरल रिजर्व से ब्याज दर में कटौती के शुरुआती संकेत मिलने पर एफपीआई वापस लौट सकते हैं।

# थिएरी डेलापोर्टे ने विप्रो के सीईओ पद से दिया इस्तीफा

**मुंबई (ईएमएस)।**

दिग्गज टेक कंपनी विप्रो के सीईओ थिएरी डेलापोर्टे ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इस बारे में कंपनी की फाइलिंग में जानकारी मिली है कि 31 मई को डेलापोर्टे को कंपनी से रिलीव कर दिया जाएगा। इस्तीफे के बाद कंपनी ने तुरंत प्रभाव से श्रीनिवास पल्लिया को कंपनी के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर और मैनेजिंग डायरेक्टर के रूप में की नियुक्ति की घोषणा की है। बता दें, थिएरी ने का 5 साल का कार्यकाल जुलाई 2025 में खत्म होना था लेकिन उन्होंने पहले ही इस्तीफा दे दिया।

वहीं पल्लिया, जिन्हें कंपनी ने सीईओ और एमडी का पदभार सौंपा है, वे साल 1992 से विप्रो में शामिल हैं। उन्होंने विप्रो की कंज्यूमर बिजनेस यूनिट के प्रेसीडेंट और बिजनेस एप्लीकेशन सर्विसेज के ग्लोबल हेड के रूप में भी काम किया है। वहीं विप्रो के चेयरमैन रिशद प्रेमजी ने श्रीनिवास का स्वागत कर कहा श्रीनिवास हमारी कंपनी और इंडस्ट्री के लिए इस महत्वपूर्ण समय में विप्रो का नेतृत्व करने के लिए एक आदर्श लीडर हैं। पिछले चार सालों में विप्रो ने सबसे चुनौतीपूर्ण बाहरी परिस्थितियों में एक बड़ा ट्रांसफॉर्मेशन किया है।

### इस्तीफे के बाद डेलपोर्ट ने क्या कहा?

स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में दी गई जानकारी के मुताबिक, कंपनी से इस्तीफा देने वाले थियरी डेलपोर्ट विप्रो से 31 मई 2024 तक जुड़े रहेंगे. जुलाई 2020 से विप्रो में सीईओ पद की जिम्मेदारी उठाने वाले डेलपोर्ट ने अपने कार्यकाल को लेकर संतुष्टि जताई और समर्थन देने के लिए पूरी टीम का शुक्रिया अदा किया. उन्होंने कहा कि विप्रो के साथ करना मेरे लिए सम्मान का विषय रहा.

### कौन हैं श्रीनिवास पल्लिया?

श्रीनिवास पल्लिया ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस बेंगलुरु से इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन और आईटी में मास्टर्स की डिग्री हासिल की है। साथ ही उन्होंने हार्वर्ड बिजनेस स्कूल से एग्जिक्यूटिव प्रोग्राम भी पूरा किया है।

### फिटनेस को लेकर सतर्क विप्रो सीईओ

पल्लिया अपने फिटनेस को लेकर सतर्क रहते हैं। वे अपनी बिजनेस ट्रिप्स के दौरान अपने बैग में सबसे पहली चीज रनिंग शू जरूर रखते हैं। वह हमेशा दौड़ने, जिम में कसरत करने या टेनिस खेलने के लिए व्यस्त कार्यक्रम में से भी समय निकाल ही लेते हैं। एक कार्यक्रम में पल्लिया ने बताया था कि मेरे लिए व्यायाम की दैनिक खुराक जरूरी है।

## सेंसेक्स की 10 प्रमुख कंपनियों में चार का मार्केट कैप 1.71 लाख करोड़ बढ़ा

### - प्रमुख 10 कंप नियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे मूल्यवान घरेलू कंपनी रही

**नई दिल्ली ।**

बीते सप्ताह देश की प्रमुख 10 कंपनियों में से चार ने अपने बाजार पूंजीकरण में 1,71,309.28 करोड़ रुपये जोड़े। इनमें एचडीएफसी बैंक और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को सबसे अधिक लाभ हुआ। दूसरी ओर प्रमुख 10 कंपनियों के समूह में छह कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 78,127.48 करोड़ रुपये घट गया। इनमें सबसे अधिक नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ। प्रमुख 10 कंपनियों में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, भारतीय स्टेट बैंक और एलआईसी को लाभ हुआ। दूसरी ओर रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, इंफोसिस, आईटीसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर को नुकसान उठाना पड़ा। एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन 76,880.74 करोड़ रुपये बढ़कर

11,77,065.34 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एलआईसी ने 49,208.48 करोड़ रुपये जोड़े, जिससे उसका मूल्यांकन 6,27,692.77 करोड़ रुपये हो गया। टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 34,733.64 करोड़ रुपये बढ़कर 14,39,836.02 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक का बाजार पूंजीकरण 10,486.42 करोड़ रुपये बढ़कर 6,82,152.71 करोड़ रुपये हो गया। दूसरी ओर बीते सप्ताह रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 38,462.95 करोड़ रुपये घटकर 19,75,547.68 करोड़ रुपये रह गया। इसके अलावा भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस और आईटीसी को भी बाजार मूल्यांकन में गिरावट का सामना करना पड़ा। बाजार मूल्यांकन के हिसाब से रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे मूल्यवान घरेलू कंपनी रही। इसके बाद टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, भारती एयरटेल और एलआईसी का स्थान रहा।

## ट्रेन में सफर के दौरान निर्धारित सीमा से ज्यादा लगेज मिला तो लगेगा जुर्माना

### - प्रतिबंधित सामान ले जाने पर हो सकती है कार्रवाई

**नई दिल्ली ।** ट्रेन के डिब्बे में भी सामान ले जाने की एक सीमा है। इस सीमा का निर्धारण भार और आकार के आधार पर किया गया है। साथ ही हर श्रेणी में लगेज साथ ले जाने के लिए नियम भी अलग हैं। निर्धारत सीमा से ज्यादा सामान लेकर अगर कोई यात्री डिब्बे में चढ़ता है तो रेलवे उससे जुर्माना वूसलता है। अगर किसी के पास ज्यादा सामान है तो रेलवे उस सामान को ट्रेन के साथ ही लगने वाली लगेज वैन में रखने की भी सुविधा देता है। ट्रेन की टिकट बुक कराते समय ही लगेज भी बुक कराया जा सकता है। रेलवे स्टेशन पर स्थित पार्सल कार्यालय से टिकट बुक करने के बाद भी आप सामान लगेज वैन में रखने के लिए बुकिंग कर सकते हैं। ट्रेन की अलग-अलग श्रेणियों में यात्री 40 किलो से लेकर 70 किलो तक भारी सामान अपने साथ ट्रेन के डिब्बे में रख सकते हैं। स्लीपर के लास में 40 किलोग्राम तक वजन अपने साथ ले जा सकते हैं। एसी टू टीयर में 50 किलो तक सामान ले जाने की छूट है। फर्स्ट क्लास एसी में 70 किलो तक सामान यात्री अपने साथ कोच में ले जा सकते हैं। इससे ज्यादा सामान पाए जाने पर जुर्माना वसूला जाता है। रेल में किसी भी तरह के ज्वलनशील और बदबूदार पदार्थों सहित कई तरह का सामान ले जाने पर प्रतिबंध है. आपत्तिजनक वस्तुएं, विस्फोटक, खतरनाक ज्वलनशील वस्तुएं, खाली गैस-सिलेंडर, मरी मुर्गियां, तेजाब आदि वस्तुएं प्रतिबंधित हैं। यदि कोई यात्री प्रतिबंधित वस्तुओं में किसी तरह की वस्तु यात्रा के दौरान साथ लेकर जा रहे हैं तो रेलवे एक्ट की धारा 164 के तहत उस यात्री पर कार्रवाई की जा सकती है।

# अगले हफ्ते सुस्त रहेगा आईपीओ का बाजार

**नई दिल्ली ।**

आईपीओ का बाजार इस साल भी अच्छा रहा है। कई कंपनी के आईपीओ इस साल अब तक बाजार में प्रवेश कर चुके हैं। हालांकि अगले हफ्ते 8 अप्रैल से शुरू हो रहे कारोबारी हफ्ते में रौनक कम रहेगी क्योंकि इस हफ्ते मेनबोर्ड सेगमेंट का कोई नया आईपीओ नहीं खुल रहा है। वहीं एसएमई सेगमेंट में भी केवल तीन आईपीओ ही खुल रहे है। हालांकि बाजार में लिस्टिंग 6 कंपनियां करने वाली हैं। इनमें मेनबोर्ड सेगमेंट की एक कंपनी भारती हेक्जाकॉम है और बाकी कंपनियां एसएमई सेगमेंट की हैं। एसएमई सेगमेंट के आईपीओ इस प्रकार हैं- टीर्थ गोपीकॉन का आईपीओ 44 करोड़ रुपये का है और ये हफ्ते के पहले दिन ही 8 अप्रैल को खुलेगा। लॉट साइज 1200 शेयरों का है। इसमें निवेश करने के लिए 10 अप्रैल तक का समय है। प्राइस बैंड 111 रुपये प्रति शेयर रखा गया है। दूसरा डीसीजी केबल एंड वायर का आईपीओ भी 8

अप्रैल को ही खुलेगा और 10 अप्रैल इसमें बोली लगाने की आखिरी तारीख है। प्राइस बैंड 100 रुपये प्रति शेयर है। तीसरा आईपीओ ग्रीनटेक वेंचसघ् का है जो करीब 6.30 करोड़ का ये आईपीओ है और यह 12 अप्रैल को खुलेगा। प्राइस बैंड 50 रुपये प्रति शेयर है, वहीं लॉट साइज 3000 शेयरों का है। इस आईपीओ में 16 अप्रैल तक बोली लगा सकते हैं।

Sports

## आलोचकों ने शतक लगाने के बाद भी विराट की बल्लेबाजी पर सवाल उठाये

**जयपुर ।** रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की हार का सिलसिला टूटने का नाम नहीं ले रहा है। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के नाबाद शतक के बाद भी आरसीबी को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आईपीएल 2024 के एक अहम मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में विराट ने 72 गेंद पर 113 रन बनाकर नाबाद रहे फिर भी टीम की हार के लिए उनकी धीमी बल्लेबाजी को जिम्मेदार बताया जा रहा है। सोशल मीडिया पर कोहली को ट्रोल किया जा रहा है। वहीं एक पक्ष से भी है कि विराट को अन्य बल्लेबाजों का साथ नहीं मिल रहा था इसलिए उन्हें विकेट पर टिककर खेलना पड़ जबकि दूसरी ओर विजेता टीम राजस्थान की ओर से संजू सैमसन ने 42 गेंदों पर 69 रन बनाए इस दौर उन्हें अन्य बल्लेबाजों का पूरा साथ मिला। आरसीबी के साथ ऐसा नहीं है। विराट के अलावा इस सत्र में अन्य सभी बल्लेबाज फेल रहे हैं। इस मैच में भी विराट के अलावा किसी बल्लेबाज का स्ट्राइक रेट 150 से ऊपर का नहीं रहा। टीम के चार अन्य बल्लेबाज 48 गेंदों पर केवल 59 रन बना सके। वहीं अगर बाकी बल्लेबाज 48 पर 80-90 रन बना देते तो विराट पर सवाल उठाना जा सकता था। विराट के अलावा फाफ डु प्लेसिस ने 33 गेंद पर 44 रन बनाए। मैक्सवेल ने 3 गेंदों पर एक, सौरव चौहान ने 6 गेंदों पर 9 जबकि कैमरून ग्रीन ने 6 गेंदों पर 5 रनों की पारी खेली।

# सीएसके और केकेआर के बीच मुकाबला आज

**चेन्नई ।**

चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) टीम सोमवार को यहां अपने घरेलू मैदान पर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का मुकाबला करेगी। सीएसके का लक्ष्य इस मैच में घरेलू हालातों का लाभ उठाकर जीत दर्ज करना रहेगा। उसके लिए हालांकि ये आसान नहीं रहेगा क्योंकि पिछले दो मैचों में लगातार मिली हार से टीम का मनोबल गिरा हुआ है। इसके अलावा केकेआर की टीम इस बार जबरदस्त फार्म में है और लगातार जीतती आ रही है। सीएसके को अगर ये मैच जीतना है तो उसके बल्लेबाजों और गेंदबाजों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। टीम के नये कप्तान कप्तान रुतुराज गायकवाड़ और रचिन रविंद्र को अधिक से अधिक रन बनाने के साथ ही पावर प्ले में अच्छी शुरुआत दिलानी होगी। गायकवाड़ 118.91 के स्ट्राइक रेट से ही रन बना पाए हैं जबकि रविंद्र पिछले दो मैचों में विफल रहे हैं। अब तक इस टूर्नामेंट में शिवम दुबे ने अच्छी बल्लेबाजी की है और उनसे इस मैच में भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। शिवम ने 160.86 के स्ट्राइक रेट से 148 रन बनाए हैं। युवा समीर रिज्वी को इस मैच में जगह मिलती है या नहीं ये भी देखना होगा। समीर ने अपने पहले मैच में गुजरात टाइटंस के खिलाफ छह गेंद में 14 रनबनाए थे पर इसके बाद अगले मैच में वह विफल रहे थे और उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया। वहीं टीम को तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान और मथीसा पथिराना के नहीं होने से भी नुकसान होगा। ये दोनो ही अलग-अलग कारणों से टीम के पिछले मैच में नहीं खेल पाए जिससे सुपरकिंग्स की गेंदबाजी कमजोर हुई है। इन दोनो के बाहर रहने पर दीपक चाहर, तुषार देशपांडे और मुकेश चौधरी पर तेज गेंदबाजी की जिम्मेदार रहेगी जबकि स्पिन की कमान मोईन अली, रविंद्र जडेजा और महेश तीक्षणा के पास होगी। केकेआर ने अब तक अपने सभी मैच जीते हैं जिससे उसके खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ा हुआ है। उसके लिए पारी की शुरुआत करते हुए अब तक सुनील नारायण ने धमाके दार प्रदर्शन किया है जिसे रोकना सीएसके के गेंदबाजों के लिए आसान नहीं रहेगा। वहीं फिल सॉल्ट से नारायण को अच्छा साथ मिला है।

उसके पास मध्य क्रम में कप्तान श्रेयस अय्यर और रमनदीप सिंह है पर ये अभी तक रन नहीं बना पाये हैं। आंद्रे रसेल और रिंकू सिंह ने अब तक जबरदस्त प्रदर्शन किया है। हर्षित राणा, रसेल और वैभव अरोड़ा ने गेंदबाजी में केकेआर की ओर से अच्छा प्रदर्शन किया है। सबसे महंगे तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क भी अब लय में आ रहे हैं। इसके अलावा स्पिनर वरूण चक्रवर्ती भी अब अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं।

कुल मिलाकर देखा जाये तो अब तक के प्रदर्शन के आधार पर केकेआर का पलड़ा भारी नजर आता है। मैदान की बात करें तो यहां चेपॉक की पिच बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों के लिए बराबर रहती है यह आमतौर पर सूखी रहती है जिससे स्पिनरों को सहायता भी मिलती है। बाद में पिच धीमी हो जाती है, जिससे दूसरी पारी में बल्लेबाजी मुश्किल हो जाती है। इस मैदान पर ज्यादा विकेट तेज गेंदबाजों ने लिए हैं।

# विश्वकप में हार से हताश था : रोहित

## लगा था लोग गुस्से में होंगे पर सभी ने हमें प्यार दिया

**नई दिल्ली ।**

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा अब भी गत वर्ष हुए एकदिवसीय विश्वकप में मिली हार को भूल नहीं पाये हैं। भारतीय टीम ने तब शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने सभी मैच जीते थे पर वह फाइनल में हार गयी थी। पूरे टूर्नामेंट में जबरदस्त खेल दिखाने के बावजूद टीम इंडिया फाइनल नहीं जीत पाई तो कप्तान रोहित बेहद निराश हो गए थे। मैच के बाद रोहित की आंखों में आंसू आ गये। विश्व कप के फाइनल में मिली हार के पांच महीने बाद अब रोहित ने उस हार को लेकर अपनी पीड़ा जाहिर की है।

रोहित ने एक शो में बताया कि फाइनल में हार के बाद उनके मन में क्या चल रहा था। इस शो पर उनके साथ टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज श्रेयस अय्यर भी थे। रोहित ने कहा, फाइनल के बाद मैं सोच रहा था कि विश्व कप का आयोजन भारत में ही हुआ पर इसके बाद भी हम नहीं जीत पाए। पूरा देश हमसे से गुस्सा होगा। प्रशंसकों में निराशा होगी पर जब हम उनसे मिले तो इसके बिल्कुल विपरीत हुआ ओर लोगों हमें खूब प्यार दिया और प्रशंसा की हम बहुत अच्छा खेले।

विश्व कप 2023 का फाइनल मुकाबला भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला गया था। तब मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतने के बाद टीम इंडिया को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया था। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारतीय टीम 50 ओवर में केवल 240 रन ही बना पायी थी। भारतीय टीम के द्वारा बनाए गए 240 रन के जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने अपनी शुरुआत पर उसके भी शुरुआत विकेट गिर गये। इसके बाद ट्रेविस हेड ने एक छोर शानदार बल्लेबाजी करते हुए मैच पर कब्जा कर लिया।

## अब अगले माह होने वाले प्रो लीग मुकाबलों की तैयारी में लगी महिला हॉकी टीम : सविता

**नई दिल्ली ।** भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता पूनिया ने कहा है कि भारतीय टीम को मई जून में बेल्जियम में प्रो लीग मुकाबले खेलने हैं और टीम का ध्यान इसके लिए फिटनेस पर है। सविता ने कहा, 'अब नया कोर ग्रुप बना है और कुछ नए खिलाड़ी भी आये हैं। फिटनेस और ड्रैग फ्लिक पर हमारा पूरा ध्यान है। जो हॉकी हम लगातार खेल रहे हैं, उसी पर काम करना है। वहीं पेरिस ओलंपिक क्वालीफायर में असफलता को लेकर इस अनुभवी गोलकीपर ने कहा, 'मैं उसके बारे में बात नहीं करना चाहती थी क्योकि इससे दुख ही होता है। हमने टोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने की खुशी देखी और अब ओलंपिक नहीं खेलने का दर्द भी पर हम खिलाड़ी हैं और हार जीत हमें बहुत कुछ सिखाती है। उन्होंने कहा, 'हम सभी ने अपना सौ फीसदी योगदान दिया और हमारी तैयारी बहुत अच्छी थी। उम्मीद है कि अगले टूर्नामेंटों में अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे। भारत के लिये 2008 में सीनियर स्तर पर पदार्पण करने वाली सविता ने कहा, 'लोग सिर्फ परिणाम देखते हैं पर एक सीनियर खिलाड़ी या कप्तान के तौर पर मैं कह सकती हूं कि हमारा प्रदर्शन ग्राफ ऊपर ही गया है। उन्होंने कहा, 'खेल की अच्छी बात यही है कि आपको पिछला भुलाकर बहुत जल्दी आगे बढ़ना पड़ता है। इसलिए मैं पुणे में सीनियर राष्ट्रीय महिला चैम्पियनशिप खेलने आई क्योंकि हॉकी मेरा जुनून है और मैदान से जितना दूर रहूंगी, ये बात परेशान करती रहेगी।

# विराट टी20 में 8000 से अधिक रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने

## वॉर्नर को रनों के मामले में पीछे छोड़ा

**जयपुर ।**

अनुभवी बल्लेबाज बल्लेबाज विराट कोहली टी20 में किसी एक टीम के लिए 8000 से अधिक रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बन गये हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के विराट ने ये उपलब्धि राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले में शतक लगाने के साथ ही हासिल की। विराट शुस शुरुअता से ही आरसीबी की ओर से खेल रहे हैं। उन्हें 8000 रन के आंकड़े तक पहुंचने के लिए 110 रनों की जरूरत थी जो उन्होंने रॉयल्स के खिलाफ 113 रन बनाने के साथ ही हासिल कर ली। विराट अब आरसीबी के लिए 7,500 आईपीएल रन और 8,000 टी20 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। वहीं 242 मैचों में विराट ने 38.27 की औसत और 130 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 7,579 रन बनाए हैं। उन्होंने 8 शतक और 52 अर्द्धशतक बनाए हैं। आरसीबी के लिए 257 मैचों में विराट ने 38.29 की औसत और 131.54 की स्ट्राइक रेट से 8,003 रन बनाए हैं जिसमें 8 शतक और 54 अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सबसे अधिक र 113 है। इसमें अब बंद हो चुकी चैंपियंस लीग टी20 में फ्रेंचाइजी के लिए खेले गए 15 मैच भी शामिल हैं, जिसमें उन्होंने 28.54 की औसत और 150.35 से अधिक की स्ट्राइक रेट से दो अर्द्धशतक के साथ 484 रन बनाए थे। विराट ने इसी के साथ ही टी20 रन स्कोरिंग रेट में डेविड वॉर्नर को पीछे छोड़ा दिया है। विराट ऑस्ट्रेलियाई स्टार ओपनर वॉर्नर को पीछे छोड़कर टी20 क्रिकेट में पांचवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। विराट ने 381 मैचों में 41.87 की औसत और 133 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 12,310 रन बनाए हैं, जिसमें नौ शतक और 93 अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 122 रन रहा है। दूसरी ओर वार्नर के नाम 374 मैचों में 37.12 की औसत से

12,213 रन हैं, जिसमें आठ शतक और 102 अर्द्धशतक शामिल हैं। वहीं सबसे छोटे प्रारूप में वैश्विक टी20 सितारों को पीछे छोड़ते हुए 9 शतकों के साथ विराट टी20 क्रिकेट में तीसरे सबसे ज्यादा शतक बनाने वाले खिलाड़ी हैं। इस शतक के साथ ही वह ऑस्ट्रेलियाई स्टार डेविड वॉर्नर, माइकल क्लिंगर और एरोन फिंच को पछाड़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

## संक्षिप्त समाचार

### यशस्वी के बचाव में आये कोच संगाकरा ने उन्हें एक अच्छा बल्लेबाज बताया

**जयपुर।** राजस्थान रॉयल्स के कोच कुमार संगाकरा ने टीम के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल का बचाव करते हुए कहा है कि दो पारियों में रन नहीं बनाने के लिए किसी बल्लेबाज की आलोचना नहीं की जा सकती। संगाकरा ने कहा कि यशस्वी एक बेहतरीन बल्लेबाज हैं और उनके स्तर को हम जानते हैं। वह आईपीएल ही नहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी एक बेहतरीन बल्लेबाज साबित हुए हैं इसलिए उनके प्रदर्शन पर सवाल उठाना ठीक नहीं है। संगाकारा ने कहा कि जयसवाल ने न केवल राजस्थान रॉयल्स के लिए ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी शानदार प्रदर्शन किया है। दो खराब पारियां किसी को भी बुरा खिलाड़ी नहीं बनाती हैं, हम उनकी गुणवत्ता जानते हैं और हम चाहते हैं कि वह लंबे समय तक बल्लेबाजी करें। आज उसके योगदान के बिना इस लक्ष्य का पीछा करना अच्छा था। आरसीबी के खिलाफ मिली जीत के बाद कोच ने कहा कि इस मैदान पर टॉस जीतना अच्छा था, लक्ष्य का पीछा करना निर्णायक साबित हुआ। आरसीबी ने एक समय हमें दबाव में ला दिया था पर स्पिनरों और जोस बटलर ने मैच पलट दिया। संजू सैमसन ने उनका अच्छा साथ दिया।

### कमजोर गेंदबाजी और बल्लेबाजी के कारण हार रही आरसीबी

**विराट और फ्लावर की बातों से हुआ खुलासा**

**जयपुर ।** आईपीएल के इस 17 वें सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। टीम को पांच में से चार में हार का सामना करना पड़ा है। टीम की ओर से अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने अब तक सबसे अधिक 318 रन बनाकर ऑरेंज कैप के लिए दावेदारी की है पर वह भी टीम को जीत नहीं दिला पा रहे। आरसीबी ने अब तक एक ही मैच में जीत दर्ज की है। उसे पंजाब किंग्स के खिलाफ जीत मिली थी। अब राजस्तान के खिलाफ मैच में मिली हार के बाद विराट और कोच एंडी फ्लावर निराश नजर आये। इन दोनो का ही मानना है कि कमजोर बल्लेबाजी और गेंदबाजी के कारण टीम की ये हालत हुई है। कोच फ्लावर भी इस मामले में विराट से सहमत हैं। नीलामी के समय ही अंदाजा हो गया था कि आरसीबी को संघर्ष करना पड़ेगा क्योंकि टीम के पास कोई ऐसा तेज गेंदबाज नहीं है जो बल्लेबाजों पर दबाव बना सके। स्पिन गेंदबाजी युजवेंद्र चहल की जगह इस बार शामिली किये गये वानिंदु हसरंगा भी प्रभावित नहीं कर पाये। ऐसे में टीम की स्पिन गेंदबाजी बेहद कमजोर रही। बल्लेबाजी आरसीबी का हमेशा से ही मजबूत पक्ष रहा है पर इसबार वह भी कमजोर रही है। ग्लेन मैक्सवेल, फाफ डु प्लेसिस और कैमरून ग्रीन जैसे विदेशी खिलाड़ी बड़ी कीमत में लिए गये थे पर ये सभी विफल रहे हैं। इससे अब टीम के लिए प्लेऑफ तक पहुंचना भी कठिन हो गया है।

# 100वें मैच में शतक लगाने वाले दूसरे बल्लेबाजी बने बटलर

## सबसे अधिक रनों के मामले में भी दूसरे नंबर पर आये

**जयपुर ।**

राजस्थान रॉयल्स के जोस बटलर ने आक्रामक शतकीय पारी खेलकर अपनी टीम को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। बटलर ने अपने 100वें मैच में शतक लगाने के साथ ही केएल राहुल के एक रिकार्ड की बराबरी की है। बटलर ने कैमरन ग्रीन के ओवर में छक्का लगाकर शतक पूरा किया। ये आईपीएल में उनका छठा शतक है। इसी के साथ ही बटलर केएल राहुल के बाद 100वें आईपीएल मैच में शतक लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। राहुल ने भी अपने सौवें मैच में शतक लगाया था। राजस्थान ने आरसीबी को हराकर जीत दर्ज की।

बटलर अब 100वें आईपीएल मैच में सबसे बड़ी पारी खेलने के मामले में दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। . राहुल ने लखनऊ सुपरजायंट्स की ओर से खेलते हुए मुंबई इंडियंस के खिलाफ साल 2022 में 60 गेंदों पर नाबाद 103 रन बनाए थे। इस प्रकार वह सौवें मैच में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाजों की सूची में पहले नंबर पर पहुंच गये हैं। बटलर आईपीएल में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में क्रिस गेल के बराबर पहुंच गए हैं। बटलर के नाम आईपीएल में छह शतक हैं जबकि गेल ने भी छह शतक लगाए हैं।

वहीं राहुल के नाम आईपीएल में चार शतक दर्ज हैं जबकि

डेविड वॉर्नर और शेन वॉटसन ने भी इतने ही शतक हैं।

बटलर आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में अजिंक्य रहाणे को पीछे छोड़कर दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। आरआर की ओर से खेलते हुए उनके 2831 रन हो गए हैं जबकि रहाणे के 1810 रन हैं। वहीं कप्तान संजू सैमसन 3389 रन बनाकर पहले नंबर पर हैं।

### प्लेसिस ने कहा , स्पिनरों ने पलट दिया था मैच

जयपुर (ईएमएस)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मिली हार के बाद कहा कि विरोधी टीम के स्पिनरों ने बीच के ओवरों में अच्छी गेंदबाजी कर मैच पलट दिया था। डु प्लेसिस ने कहा कि पहले गेंदबाजी करने का उनका फैसला अच्छा था। ओस के कारण बल्लेबाजी करना आसान हो गया। विराट अच्छा खेल रहे थे, कैमरुन ग्रीन जैसे खिलाड़ी के आने से अंतिम ओवरों में ज्यादा से ज्यादा रन बनाना आसान हो गया पर स्पिनरों के खिलाफ बल्लेबाजी करना कठिन रहा। तेज गेंदबाजों पर शॉट लगाना आसान था। प्लेसिस ने कहा कि मुझे लगता है कि डॉगर के एक ओवर में 20 रन देने से भी हमपर दबाव आया। मैक्सवेल को गेंदबाजी नहीं करने का कारण यह था कि सभी दाएं हाथ के बल्लेबाज बल्लेबाजी कर रहे थे, इसलिए शुरुआत में बाएं हाथ के स्पिनर के पास गए। हमारा क्षेत्ररक्षण भी अच्छा नहीं रहा। इस मैच में राजस्थान ने जोस बटलर के शतक से जीत दर्ज की। आरसीबी ने पहले खेलते हुए विराट कोहली के शतक से 183 रन बनाए थे। राजस्थान ने इसके बाद जो बटलर और संजू सैमसन के साथ बड़ी साझेदारी की और टीम को जीत की राह दिखा दी।

### हार्दिक की हूटिंग न करें प्रशंसक : गांगुली

**फ्रेंचाइजी ने कप्तान बनाया तो उनकी क्या गलती**

**मुम्बई ।**

दिल्ली कैपिटल्स टीम के डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट सौरव गांगुली ने प्रशंसकों से अनुरोध किया है कि वे मुम्बई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या को निशाना न बनायें। गांगुली ने कहा कि टीम प्रबंधन ने अगर पंड्या को कप्तान दी है तो उसमें उनकी क्या गलती है। पंड्या ने तो उन्हें कप्तान बनाने की बात नहीं की थी। गांगुली ने प्रशंसकों से ये अपील इसलिए की है क्योंकि पंड्या को कप्तानी संभालने के बाद से ही लगातार हूटिंग का सामना करना पड़ रहा है। इसका कारण रोहित शर्मा की जगह उन्हें कप्तान बनाया जाना है। ऐसे में रोहित के प्रशंसक नाराज हैं। गांगुली ने प्रशंसकों से कहा कि वे पंड्या को लेकर अपना व्यहार सुधारें। गांगुली ने कहा, 'प्रशंसकों को हार्दिक पंड्या को हूट नहीं करना चाहिए। यह सही नहीं है। रोहित शर्मा अलग क्लास के हैं। उनकी परफॉर्मेंस अलग लेवल की है पर इसमें हार्दिक पंड्या की क्या गलती है। उन्हें तो फ्रेंचाइजी ने कप्तान बनाया है। जिसका आदेश मानना उनका काम है।'आईपीएल में अब तक मुंबई इंडियस एक भी मैच नहीं जीत पायी है जिसके कारण भी उसके प्रशंसक भड़के हुए हैं। इसके अलावा पंड्या अब तक अच्छी बल्लेबाजी और गेंदबाजी भी नहीं कर पाये हैं।

# टी20 विश्वकप से पहले फिटनेस हासिल करने सेना के साथ अभ्यास कर रही पाक टीम

***प्रशंसकों ने पूछा विश्वकप खेलने जा रहे हैं या जंग लड़ने***

**लाहौर ।** पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अपने टीम को फिट बनाने के लिए एक अजीबोगरीब कदम उठाया है। पीसीबी ने आगामी टी20 विश्वकप कप 2024 को देखते हुए अपनी टीम को फिटनेस हासिल करने के लिए सेना के साथ प्रशिक्षण लेने के लिए भेजा है। सेना के साथ खिलाड़ियों के अभ्यास का एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें ये सभी खिलाड़ी अलग अलग टास्क को पूरा करते हुए दिखाई दे रहे हैं। पाकिस्तान टीम का ट्रेनिंग कैंप काकूल में आर्मी स्कूल में दो सप्ताह के लिए लगा है। इसका कारण है कि पीसीबी टी20 विश्वकप से पहले अपने सभी खिलाड़ियों को फिट और उर्जावान रखना चाहती है जिससे खिलाड़ी आईसीसी के इस मेगा टूर्नामेंट में अपना सौ फीसदी दे सकें। पाकिस्तानी खिलाड़ी जिस तरह से अभ्यास कर रहे हैं। उससे ऐसा लग रहा है कि खिलाड़ियों को किसी जंग की तैयारी कराई जा रही है। वहीं लोग भी पाक खिलाड़ियों के इस खास प्रशिक्षण का मजाक उड़ाने में लगे हैं। पाक टीम के खिलाड़ियों का जो वीडियो वायरल हो रहा हैं उसमें वे स्नाइपर राइफल के साथ निशाना साधते हुए नजर आ रहे हैं। कभी कमांडो की तरह वो रस्सी के साथ नीचे फिसलते हुए दिखाई दे रहे हैं तो कभी भारी भरकम पत्थर लेकर पहाड़ पर चढ़ रहे हैं। साथ ही साथ वह सैनिकों की तरह अपने कंधों पर साथियों को उठाकर दौड़ते हुए नजर आ रहे हैं। पाक खिलाड़ियों के इन वीडियों को देखकर एक व्यक्ति ने लिखा, ' ये विश्व कप खेलने जा रहे हैं या अमेरिका पर हमला करने।' दूसरे ने लिखा, ' प्रशिक्षण तो किसी और ही काम की लग रही है।' इससे पहले पाक क्रिकेट बोर्ड के नए चेयरमैन मोहसिन नकवी ने इन क्रिकेटरों को आर्मी के साथ मार्च और अप्रैल में अभ्यास करने के निर्देश दिए थे। यह फिटनेस कैंप पाक खिलाड़ियों के लिए कितना फायदेमंद होता है ये, तो समय ही बताएगा पर इससे खिलाड़ियों के चोटिल होने की आशंका भी बढ़ गई है। पीसीबी के

नए प्रमुख ने पीएसएल 2024 से पहले भी खिलाड़ियों को 10 दिन तक प्रशिक्षण देने को कहा था। पीसीबी प्रमुख ने कहा कि खिलाड़ी बने शॉट नहीं खेल पा रहे हैं। उनका लक्ष्य है कि खिलाड़ी फिट होकर ये क्षमता हासिल कर सकते हैं। टी20 विश्वकप के लिए एक बार फिर बाबर आजम को कप्तानी दी गयी है।

### बाबर आजम को कभी भी कप्तानी छोड़ने नहीं कहा था : अशरफ

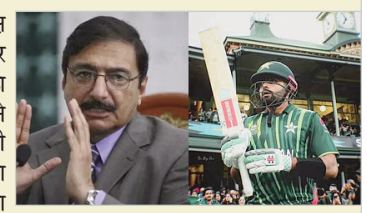

**लाहौर ।** पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के पूर्व अध्यक्ष जका अशरफ ने एकदिवसीय विश्व कप क्रिकेट के बाद बाबर आजम को कप्तानी से हटाने के आरोपों को गलत बताते हुए कहा कि ये स्वयं आजम का फैसला था। अशरफ ने कहा कि उन्होंने विश्व कप के बाद बाबर को कभी भी सभी प्रारूपों की कप्तानी छोड़ने के लिए नहीं कहा था। उन्होंने कहा, 'यह उनका अपना निर्णय था। जब मैं उनसे मिला तो मैंने उन्हें स्पष्ट रूप से बताया कि सभी को लगता है कि सभी प्रारूपों में कप्तानी करने का बोझ उन पर और उनके प्रदर्शन पर दबाव बढ़ा रहा है और उन्हें केवल लाल गेंद के कप्तान के रूप में ही बने रहना चाहिए। जका ने कहा, 'मैंने उनसे कहा कि बोर्ड को लगता है कि सफेद गेंद के प्रारूप में किसी और को आजमाने का समय आ गया है क्योंकि उन्हें पिछले तीन वर्षों से इन प्रारूपों में पर्याप्त समय दिया गया है। पूर्व पीसीबी प्रमुख ने कहा कि सभी प्रारूपों में कप्तानी छोड़ने का फैसला बाबर का था। अशरफ ने इसके साथ ही पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी के इन दावों को भी गलत बताया है जिसमें अफरीदी ने कहा कि उन्होंने उन्हें मोहम्मद रिजवान को सफेद गेंद का कप्तान बनाने को कहा था न कि शाहीन शाह अफरीदी को। बाबर को पीसीबी के नये अध्यक्ष ने एक बार फिर कप्तान बना दिया है। जिसके बाद अशरफ का ये बयान आया है। इसमें उन्होंने कहा, 'मुझे जो याद है उसके अनुसार शाहिद ने मुझे कभी भी सफेद गेंद के प्रारूप में रिजवान को कप्तान बनाने को नहीं कहा था। शाहिद ने कई साक्षात्कारों में कई बार दावा किया है कि वह कभी नहीं चाहते थे कि शाहीन कप्तानी करें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# धर्म

## आदिशक्ति बिना कुछ भी पूर्ण नहीं

आदिशक्ति, माँ जगदम्बे, जगतजननी शक्तिस्वरूपा माँ दुर्गा की महिला का उल्लेख वेदों और पुराणों में है। आदिशक्ति के बिना कुछ भी पूर्ण नहीं है। भगवान शिव के साथ वह गौरी अथवा शक्ति के रूप में हैं तो, भगवान विष्णु के साथ महालक्ष्मी के रूप में हैं तो श्री राम के साथ माता सीता के रूप में। कहा जाता है कि शक्ति के बिना शिव शववत है। सीताराम, राधाकृष्ण का संबोधन भी आदिशक्ति के साथ किया जाता है। वेद, पुराणों, उपनिषदों में भी आसुरी शक्ति के नाश के लिए देवताओं का दैवीय शक्ति माता की शरण में पहुंचने का उल्लेख है। साल में दो नवरात्र पड़ती हैं, एक चैत्र में और दूसरी आश्विन कार्तिक में। ऋग्वेद में देवी की महिमा का अनूठा वर्णन मिलता है। देवी ने कहा है, संपूर्ण जगत की अधीश्वरी अपने उपासकों को धन की प्राप्ति कराने वाली, साक्षात्कार करने योग्य परब्रह्म को अपने से अभिन्न रूप में जानने वाली तथा देवताओं में प्रधान हूं। प्रपंच रूप से अनेक भावों में स्थित हूं, अनेक स्थानों पर रहने वाले देवता जहां कहीं जो कुछ भी करते हैं, वह सब मेरे लिए करते हैं। मैं ही भोक्ता शक्ति हूं। जो अन्न खाता है, वह मेरी शक्ति से ही खाता है। कार्य करने में सामर्थ्य मेरी शक्ति का फल है। जो यह नहीं जान पाते, वे विपन्नता भुगतते हैं। मैं जिसकी रक्षा करना चाहती हूं, उसे सशक्त बना देती हूं। उसे क्षमा मेघा शक्ति प्रदान करती हूं। ब्रह्म देवी असुरों का वध करने के लिए रुद्र के धनुष को चढ़ाती हूं। शरणागत की रक्षा के लिए मैं युक्ति करती हूं। आकाश, पृथ्वी, जल में व्याप्त हूं, समस्त भुवन में व्याप्त हूं।

देवी को 108 नामों से संबोधित किया जाता है। सती, साध्वी, भवभीता, भवानी, भवमोचनी, आर्या, दुर्गा, जया, आद्या, त्रिनेत्रा, शूलधारिणी, पिनाकधारिणी, चित्रा, चंद्रघंटा, महातपा, मन, बुद्धि, अहंकारा, चित्ररुपा, चिता, चिती, सर्वमंत्रमयी, सत्ता, सत्यानंद स्वरूपिणी, अनंता, भाविनी, भाव्या, भव्या, रुमव्या, सदापति, शाम्भवी, देवमाता, चिंता, रत्नप्रिया, सर्वविधा, दक्षकन्या, दक्षयज्ञ, विनाशनी, अपर्णा, अनेकवर्ण, पाटला, पाटलावती, पहांबर पराधीना, कलामंजीर रंगिनी, अमेय विक्रमा, क्रूरा, सुंदरी, सुरसुंदरी, वनदुर्गा, मातंगी, मतंग, मुनि पूजिता, ब्राह्मी, माहेश्वरी, ऐन्द्री, कौमारी, वैष्णवी, चामुंडा, वाराही, लक्ष्मी, पुरुषाकृति, बहुला, बहुलप्रेमी, सर्ववाहन वाहना, निशुंभशुंभहननी, महिषासुर मर्दिनी, मधुकैटम, चंडमुंड विनाशनी, सर्वअसुर विनाशा, सर्वदानव धातिनी, सत्या, सर्वस्य धारिणी, अनेकशस्त्रहस्ता, अनेकाशस्त्रधारिणी, कुमारी, एककन्या, कैशोरी, युवती, यति, अप्रौढ़ा, प्रौढ़ा, वृद्धमाता, बलप्रदा, महोदरी, मुक्तकैशी, घोरस्पा, महाबला, अग्निवाला, रौद्रमुखी, कालरात्रि, तपस्विनी, नारायणी, भद्रकाली, विष्णुमाया, जलोधरी, शिवदूती, कराली, अनंता, परमेश्वरी, कान्यायनी, सावित्री, प्रत्यक्षा, ब्रह्मवादिनी और सर्वशास्त्रमयी के सम्बोधनों के साथ मातारानी को पुकारा जाता है।

श्री दुर्गा सप्तशती में तो माँ दुर्गा महिमा का व्यापक वर्णन हैं। दुर्गा सप्तशती के पाठ से अभीष्ठ और मनोवांछित फल की कामना की जाती है। और विश्वासपूर्वक पाठ करने से फल प्राप्त होता है। दुर्गा सप्तशती के प्रथम अध्याय में मधुकैटभ महासुर के वध की कथा है, जिसमें योग माया, योग निद्रा की शक्ति का उल्लेख मिलता है। ब्रह्म, विष्णु की नाभि कमल से उत्पन्न होते हैं। विष्णु शैया मग्न है। मुधकेटभ महासुर घात लगाये ब्रह्म को ग्रास बनाना चाहता है। तब ब्रह्म देवी की स्तुति करते हैं। योग माया विष्णु को निद्रा से जगा देती है। मधुकैटभ और विष्णु भगवान के बीच भयंकर युद्ध होता है। मधुकैटभ पर योग माया का प्रभाव पड़ता है और वह विष्णु की शक्ति पर मोहित होकर उनसे वर मांगने को कहता है। मधुकैटभ वरदान में अपनी मृत्यु स्वीकार करते है और विष्णु भगवान उसे जंघा पर सुला कर उसका वध करके ब्रह्म को जीवन प्रदान करते हैं।

श्री दुर्गा सप्तशती के दूसरे अध्याय में महिषासुर की सेना के वध की कथा है। देवासुर संग्राम में जब यम कुबेर दिगपाल, इंद्र युद्ध से भाग गए। पराजय के बाद देवतागण विष्णु की शरण में सभी पहुंचते हैं। ब्रह्म, विष्णु, महेश से मिल कर महाशक्ति दुर्गा का प्रादुर्भाव हुआ। तृतीय अध्याय में महिषासुर वध का वृतांत है। महिष मृत्यु का प्रतीक है। चौथे अध्याय में शत्रु विनाश और शक्ति साधकों के रक्षण की कथा स्तुति के रूप में है। इसका शुक्रादि स्तुति के नाम से भक्त पारायण करते हैं। पंचम अध्याय में असुरो के दूत से देवी के संवाद की कथा है कि शक्ति का परिचय देना होगा। अहंकार ही शुंभ दैत्य है तो क्रोध निशुंभ दैत्य है। कामध्त की बीमारी है। मद मत्सर धूम विलोचन दैत्य है। पांचवें अध्याय में कथा है कि शुंभ-निशुंभ ने देवों का वैभव छीन लिया। महाशक्ति का आह्वान किया गया, तब जगदंबा हिमालय पर प्रकट हुई। असुर दूतों ने यह सौंदर्य देख शुंभ से प्रशंसा की और शुंभ ने उस सौंदर्य मूर्ति को लाने को कहा। देवी ने दूत का मद मर्दन किया। छटवें अध्याय में धूम विलोचन के वध की कथा है। धूम विलोचन को महाशक्ति ने समाप्त कर दिया। सप्तम अध्याय में चंड-मुंड का संहार चंडी ने किया है। चंड-मुंड को काली ने खेल खेल में निगल लिया और चामुंडा के रूप में संबोधित हुई है। आठवें अध्याय में रक्तबीज की कथा है। नवम अध्याय में देवी ने शुंभ-निशुंभ का वध किया है। दसवां अध्याय विजय दशमी के रूप में व्यक्त है। देवता, इंद्र अपना आसन पुनः प्राप्त कर लेते हैं और देवी की प्रार्थना करते हैं। एकादश अध्याय में देवता गण देवी की प्रार्थना करते हैं और देवी जी उन्हें वरदान देकर तृप्त कर देती हैं। देवी द्वारा महादैत्यों, असुरों के मारे जाने के बाद इंद्र सहित सभी देवता देवी की महिमा की आराधना करते हैं। देवी, देवताओं से वरदान मांगने को कहती हैं। देवता विनम्र भाव से अभयदान मांगते हैं। देवी वर देती है और कहती है कि वैश्वस्त मन्वतंर के अठारवें युग में शुंभ-निशुंभ से कुछ भिन्न दानव फिर पैदा होंगे। तब नदगोप के घर यशोदा के गर्भ से अवतार लेकर विंध्याचल में वास करुंगी। दैत्यों का विनाश करुंगी। बारहवें अध्याय में सप्तशती का महात्म वर्णित है। तेरहवां अध्याय समापन है। इस तरह से श्री दुर्गा सप्तशती काम-क्रोध, मद-मोह-माया से विरक्त रहने का संदेश भी देता है। देवी के विभिन्न रूप में अवतार और इन अवतारों द्वारा असुरों का नाश, इस बात का सशक्त उदाहरण हैं। ये कहने की जरूरत नहीं कि इसके पाठ से शांति मिलती है, सुख-समृद्धि प्राप्त होती है, कष्ट दूर होते हैं। विश्वासपूर्वक इसका पाठ किया जाए तो इसमें मनोवांछित फल की कामना पूर्ण करने की अपार शक्ति है।

### या देवी सर्वेभूतेषू शक्ति रूपेण संस्थिताः। नमस्तस्यै, नमस्तस्यै, नमस्तस्यै नमो नमः॥

## माँ भवानी सबकी करती है मनोकामना पूर्ण

छत्तीसगढ़ के पावन धार्मिक स्थलों में एक नाम आता है डोंगरगढ़ का जी हां, मां बम्लेश्वरी की पावन धरती डोंगरगढ़ से मात्र 17 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है ग्राम करेला। यहां स्थित डोंगरी को भवानी डोंगरी के नाम से जाना जाता है। बीट क्रमांक 321 जो कि 380 हेक्टेयर में फैला है। इस पहाड़ी पर प्राकृतिक छटा के मध्य विराजमान है मां भवानी। यहां से लगा है ग्राम बन्दबोड़, यहां जंगल में स्थापित है बाबा बन्छोर देव। यहां स्थापित बन्छोर देव की प्रतिमाएं पन्द्रहवीं - सोलहवीं ईसा पूर्व की बताई जाती है।

इन धार्मिक स्थलों की ओर जाने के पूर्व पहुंचना पड़ता है ढारा - मोहारा चौक, जो ठेलकाडीह से होते हुए जिला मुख्यालय राजनांदगांव से जोड़ता है। दक्षिण से आने वाले मार्ग में मां बम्लेश्वरी की पावन धरा डोंगरगढ़ को जोड़ता है। जबकि उत्तर से आने वाले मार्ग खैरागढ़ को जोड़ता है। मां दन्तेश्वरी चौक से ही देखने मिलती है पुरातात्विक महत्व के पाषाण पर अंकित कलाकृतियाँ। जहां पूर्व की सड़क से निकलते वक्त एक विशालकाय पीपल वृक्ष के तले दाहिने ओर पुरातात्विक महत्व की कलाकृतियाँ मिलती है, वहीं दक्षिण की ओर निकलने पर दाहिने की ही ओर पुरातात्विक महत्व की कलाकृतियाँ मिलती हैं। यहां पर मां भवानी मंदिर पहुंच मार्ग को चिन्हान्कित करने बोर्ड लगाया गया है।

मां दंतेश्वरी चौक से उत्तर की ओर पक्की सड़क से आगे बढ़ना पड़ता है। लगभग एक किलोमीटर का रास्ता तय करते ही पुनः मार्ग विभाजक मिलता है। यहां पर से ही पश्चिम की दिशा की ओर प्राकृतिक छटा दिखना शुरूहो जाता है। मार्ग विभाजक से जहां एक मार्ग उत्तर दिशा की ओर जाता है वहीं दूसरे मार्ग पूर्व दिशा की ओर जाता है। हालांकि दोनों मार्ग खैरागढ़ को जोड़ता है यहां से मां भवानी, बाबा बन्छोर देव एवं मां विन्धयवासिनी के दर्शनार्थ भक्तजनों को उत्तर दिशा की मार्ग पर चलना पड़ेगा। इस तिराहे से ही प्राकृतिक छटा दिखाई देने लगता है। इस मार्ग से गुजरते हुए पश्चिम दिशा की ओर पड़ी दिखाई देती है खेती की जमीन और आच्छादित वन। यहां की प्राकृतिक छटा मन को लुभाने लगता है। जल्द से जल्द उस प्राकृतिक छटा के नजदीक पहुंचने की लालसा बढ़ जाती है। यह मार्ग भी पक्की ही है। इस डामरीकृत मार्ग से होते हुए लगभग दो किलोमीटर का रास्ता तय करने के बाद फिर एक तिराहे मिलेगा। इसे करेला चौक के नाम से जाना जाता है। यहां पर दो करेला गांव है। पूर्व दिशा में स्थित गांव को नया करेला कहा जाता है जबकि पश्चिम दिशा में स्थित गांव को पुराना करेला के नाम से जाना जाता है।

यानि मां भवानी का पावन तीर्थ स्थल। इस मार्ग में प्रवेश कच्ची मार्ग से करना पड़ता है। आज भी इस क्षेत्र की महिलाएं जंगलों से लकड़ियां बीन कर लाती है। उसकी आग से भोजन बनता है। इस मार्ग से सिर पर लकड़ियों की गठ्ठर उठाए आती महिलाएं दिख ही जायेंगी। लगभग एक फर्लांग बाद ही शुरूहो जाता है पुराना करेला। यहां एकाध मकान को छोड़ दे तो शेष मकान कच्ची और कवेलू के ही नजर आते हैं। मकानों के आंगन बांसों की घेरा से सुरक्षित दिखाई देगी। इन मकानों को पीछे छोड़ते ही दिखाई देने लगती है हरियाली से आच्छादित वन और दूर दूर तक खाली पड़ी जमीन। जैसे ही वन के निचले भाग में पहुंचे कि नीचे स्थित मां भवानी मंदिर के गगनचुंबी गुंबद और लहराते ध्वजा अपनी ओर खींचती है, मंदिर की घंटी की गूंज से किसी धार्मिक स्थल पर होने की अनुभूति होने लगती है।

मां भवानी मंदिर के सामने बनाया गया।

मां भवानी मंदिर के सामने बनाया गया है हवनकुण्ड। यहां क्वांर एवं चैत्रनवरात्रि पर्व पर ज्योति विर्सजन पूर्व किया जाता है हवन कार्यक्रम। नीचे स्थित मां भवानी के दर्शन बाद उत्तर दिशा में कुछ ही कदम की दूरी पर चलना पड़ता है फिर मुड़ना पड़ता है पश्चिम की ओर। जैसे ही ऊपर पहाड़ी पर विराजमान मां भवानी के दर्शनार्थ कदम बढ़ते हैं तो सामने मिलता है प्रवेश द्वार। इस प्रवेश द्वार को वृक्ष का रूप दिया गया है। थोड़ी दूर मिलती है समतल भूमि। जैसे ही सीढ़ी शुरूहोती है इसके पहले दाहिने ओर मिलती है एक बोरिंग जहां प्यास बुझा भक्तगण बढ़ते चलते हैं आगे की ओर। अभी पहाड़ी वाली मां भवानी के प्रागंण तक पहुंचने के लिए सीढ़ी का निर्माण कार्य जारी है। कुछ सीढ़ियां लांघने के बाद शुरूहो जाता है पथरीला राह। वन की चढ़ाई और पथरीला राह को भक्तगण बिसर जाते हैं अपने आजू - बाजू के वनों की हरियाली को देखकर।

सीढ़िया चढ़ते हुए भक्तगण पहुंच जाते हैं उस स्थल पर जहां की प्राकृतिक छटा के दर्शन की ललक को वह संवार नहीं पाता। पहाड़ की इस समतल क्षेत्र पर खड़ा होकर निहारने से दूर - दूर तक दिखाई देने लगते हैं घने जंगल। इस अनुपत दृश्य को देखकर एक पल तो लगता है कि कहीं सतपुड़े के घने जंगल में तो नहीं पहुंच गये। इस स्थल पर खड़े होकर देखने से जहां पश्चिम की ओर दिखाई देता है ओडार बांध वहीं दक्षिण दिशा की ओर डोंगरगढ़ की पहाड़ी पर विराजमान मां बम्लेश्वरी की मंदिर। यहां से डंगोरा, खैरबना जलाशय एवं शिवपुरी तालाब को भी आसानी से देखा जा सकता है।

भक्तगणों के कदम आगे बढ़ते हैं। थोड़ी सी ही चढ़ाई बाद पहुंच जाते हैं मां भवानी के दरबार में। जिस मंदिर में भवानी विराजमान है, उससे कुछ ही दूरी पर एक वृक्ष के नीचे चौड़ी पर मिट्टी का बनाया गया है नादिया बैल। यहां पर हाथी और हूम धूप का खप्पर रखा गया है। यहां पर बजरंगबली की मूर्ति स्थापित है जिसके बाद में एक गदा रखा गया है। उसके ठीक सामने तुलसी चौरा है। मां भवानी की तस्वीर के सामने मां की सवारी है। मां भवानी मंदिर के भीतर दीप प्रावलित की गई है जो अनवरत जलती रहती है। मां भवानी मंदिर के ठीक बाजू अर्थात् उत्तर दिशा में ज्योति कक्ष बनाया गया है। यहां प्रतिवर्ष भक्तों द्वारा क्वांर एवं चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व पर मनोकामना दीप प्रावलित की जाती है। मंदिर की दक्षिण दिशा में मां की झूला है। इसके ठीक पीछे त्रिशूल, बाना, तराजू खंजर और माताजी के नील लगे चरण पादुका रखा गया है।

मां भवानी के आगमन के संबंध में बताया जाता है कि आज से लगभग दो ढाई सौ वर्ष पूर्व स्वर्गीय श्री नारायण सिंह कंवर जो कि मालगुजार थे ओसारे में कुछ ग्रामीणों के साथ बैठे हुए थे। जेठ - बैसाख का माह था। भरी दुपहरी में जलजलाती हुई सर्वांग में बड़ी माता लिए एक तरूण अवस्था की कन्या आयी।

चेहरे तेज, उन्नत ललाट, श्वेत वस्त्र धारण किये उस कन्या ने मालगुजार स्व. श्री कंवर से अपने रहने के लिए जगह मांगी। श्री कंवर ने उससे अपने घर में ही रहने का आग्रह कर फिर से ग्रामीणों से बातचीत करने व्यस्त हो गये मगर जैसे ही उनका ध्यान ग्रामीणों से बंटा और ध्यान आया कि कोई कन्या आयी थी तथा ठहरने की लिए जगह मांगी थी वह दिखाई नहीं दे रही है। वे हड़बड़ा गये। तब तक वह कन्या वन का रास्ता पकड़ ली थी। स्वर्गीय नारायण सिंह कंवर उस कन्या के पीछे दौड़े साथ ही ग्रामीण भी। जब तक वे उस तक पहुंचते तब तक वह कन्या ऊपर पहाड़ी पर पहुंचकर बांस भीरा और एक चिरपोटी के नीचे छांव पर जा बैठी थी। श्री कंवर ने हाथ जोड़कर कहा कि माता मैंने तो आपको अपने घर में ठहरने कहा था, आप तो यहां आ गयी। चलिए मेरे निवास में... तब माता ने कहा - मेरे लिए यही जगह उपयुक्त है। मुझे यही रहना है। मां भवानी की बात सुनकर स्वर्गीय कंवर ने ग्रामीणों को वहां कुटिया बनाने कहा। ग्रामीण कुटिया बनाने लकड़ी की व्यवस्था कर ही रहे थे कि वह कन्या वहीं पर लुप्त हो गयी।

बताया जाता है कि मां भवानी सर्वमंगलकारी है। उनकी कृपा से कई लोगों की दरिद्रता दूर हुई है। कष्टों से कई लोगों ने मुक्ति पाई है।

नीचे मां भवानी मंदिर समतल भूमि में स्थित है। मां भवानी और बाबा बन्छोर देव की पावन धरा बन्दबोड़ के मध्य बना है एक जलाशय। इस जलाशय को भंडारपुर जलाशय के नाम से जाना जाता है। यहां की प्राकृतिक छटा देखते ही बनती है। इस प्राकृतिक छटा को निहारते हुए भक्तगण पहुंचते है ग्राम बन्दबोड़ और फिर शुरूहो जाता है बाबा बन्छोर देव के दर्शनार्थ पहुंचने रास्ता। यहां मोकइया वृक्ष के तले घोड़े पर बाबा बन्छोर देव सवार है। यहां दर्जनों की संख्या में पुरातात्विक महत्व की कलाकृतियाँ बाउण्ड्रीवाल की दीवार से संटा कर रखी गई है। किंवदंती है कि एक समय छैमासी रात पड़ी थी। इस छैमासी रात में बन्छोर देव घोड़े पर सवार होकर दल - बल समेत बरात जा रहे थे। संभवतः वह रात छैमासी की आखिरी रात थी। बाबा बन्छोर देव दल बल सहित बनबोड़ के वन से गुजर रहे थे कि सुबह हो गई और वे मूर्तिरूप में परिवर्तित हो गए। यह भी कहा जाता है कि ग्राम बन्दबोड़ के लोग मूर्तिकला में पारंगत थे। वे खाली समय में मनोरंजन की दृष्टि से वन में जाकर पत्थरों में मूर्ति कुरेदा करते थे। आज भी बन्दबोड़ में कुंभकारों का एक पारा है। यहां के मूर्तिकारों की ख्याति न सिर्फ गांव तक सीमित है, अपितु इनके द्वारा बनाये मूर्तियों की मांग जिला मुख्यालय तक है, इससे यह अनुमान लगाया जा सकता है कि यहां आदिकाल से मूर्तिकला जीवित है। बन्छोर देव तक पहुंचने के पूर्व रावण भाठा पड़ता है, जहां प्रत्येक वर्ष दशहरा पर्व मनाया जाता है। यहां संक्षिप्त रामलीला के बाद रावण वध किया जाता है।

## दक्षिण-पश्चिमी सीरिया में बम धमाका, सात बच्चों की मौत

दमिश्क। दक्षिण-पश्चिमी सीरिया में सड़क किनारे एक बम धमाके में सात बच्चों की मौत हो गई। इसी क्षेत्र में 2024 में अब तक इसी तरह की करीब 12 से अधिक घटनाओं में लगभग 100 लोगों की जान जा चुकी है। सरकारी मीडिया और युद्ध निगरानी एक संस्थान ने जानकारी देते हुए कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि दारा प्रांत के उत्तरी ग्रामीण इलाके में किस आंतकी संगठन ने बम लगाया था। यह प्रांत जॉर्डन और इजरायल के कब्जे वाले गोलान हाइट्स के बीच में है। रूस समर्थित सीरिया सरकार की सेना और उनके सहयोगियों ने 2018 में दारा शहर और प्रांत पर कब्जा कर लिया था। नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर एक पुलिस अधिकारी के हवाले से बताया गयया है कि इस घटना के पीछे उन चरमपंथी समूहों का हाथ हो सकता है जो कि अभी भी क्षेत्र में सक्रिय हैं। ब्रिटेन में संचालित युद्ध निगरानी संस्था ने विवरण दिए बिना आरोप लगाया कि सरकार समर्थक मिलिशिया ने किसी की हत्या की साजिश के तहत बम लगाया था। इसने कहा कि धमाके में कम से कम आठ बच्चों की मौत हो गई है। दो अन्य घायल हैं।

## हिजबुल्ला ने गिराया इजरायली ड्रोन, गुस्साए इजराइल ने कर दी ताबड़तोड़ बमबारी

तेलअवीव। इजरायल ने पूर्वी लेबनान में हिजबुल्ला के ठिकानों पर रविवार को जबरदस्त हवाई हमले किए हैं। दरअसल हिजबुल्ला के आंतकियों ने एक इजरायली ड्रोन मार गिराया है जिसके बाद से इजराइल भड़का हुआ है। इजरायल ने कहा है कि ये हमले हिजबुल्ला के ठिकानों को निशाना बनाकर किया गया है। दोनों देशों में तनाव बढ़ने के साथ गोलीबारी जारी है। इजरायली सेना ने बयान में कहा है कि यह हमला ईरान समर्थित हिजबुल्ला द्वारा लेबनानी हवाई क्षेत्र में एक मानव रहित विमान को मार गिराने के जवाब में था, जिसकी पहचान हिजबुल्ला ने इजरायल निर्मित हर्मीस 900 ड्रोन के रूप में की थी। इजरायली गोलाबारी में लगभग 270 हिजबुल्ला लड़ाके और लगभग 50 नागरिक मारे गए हैं। दक्षिणी लेबनान में भी लगभग 90,000 लोग विस्थापित हुए हैं, जबकि 96,000 से अधिक इजरायली देश के उत्तरी सीमा क्षेत्र से विस्थापित हुए हैं। अमेरिका और अन्य देशों ने हिजबुल्ला और इजरायल के बीच गोलीबारी के राजनयिक समाधान की मांग की है। हिजबुल्ला ने साफ किया है, कि वह गाजा में युद्धविराम लागू होने से पहले गोलीबारी नहीं रोकेगा। सूत्रों ने बताया कि इजरायल ने सीरिया बॉर्डर के करीब जनता गांव में सशस्त्र समूह हिजबुल्ला के ट्रेनिंग कैंप को निशाना बनाकर हवाई हमले किए हैं।

## ब्रिटेन में तूफान कैथलीन के चलते दर्जनों उड़ानें रद्द

लंदन । तूफान कैथलीन इंग्लैंड में कहर बरपा रहा है। इसकारण ब्रिटेन की दर्जनों उड़ानें रद्द कर दी गईं। एडिनबर्ग, बेलफास्ट, मैनचेस्टर और बर्मिंघम में हजारों यात्री फंस गए। मौसम कार्यालय ने इंग्लैंड के अलावा आयरलैंड, स्कॉटलैंड और वेल्स के कुछ हिस्सों के लिए चेतावनी जारी की है। बताया गया है कि खराब मौसम के चलते ब्रिटेन के हवाई अड्डों पर प्रस्थान करने वाली और पहुंचने वाली 130 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गईं। तूफान के कारण पुरे ब्रिटेन में तापमान बढ़ गया, जिसके रविवार तक बने रहने की आशंका है। स्कॉटलैंड में उड़ानों के अलावा रेल और नौका सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं। पर्यावरण एजेंसी ने 14 अलर्ट जारी किये हैं, जहां बाढ़ का खतरा है। रिपोर्ट के अनुसार, मौसम कार्यालय ने चेतावनी दी है कि समुद्र से उठने वाली लहरें तटों, तटीय सड़कों और मकानों तक आ सकती हैं, जिससे जान माल का नुकसान हो सकता है।

## सीईएलएसी देश मैक्सिकन दूतावास हमले पर तत्काल बैठक करेंगे

तेगुसिगाल्पा । होंडुरास की राष्ट्रपति शियोमारा कास्त्रो ने कहा कि लैटिन अमेरिकी एवं कैरेबियाई राज्यों का समुदाय (सीईएलएसी) इक्वाडोर में मैक्सिकन दूतावास पर हुए हमले पर चर्चा करने के लिए संगठन के शासी निकाय और सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों के साथ विशेष बैठकें आयोजित करेगा। इक्वाडोर पुलिस ने क्विटो स्थित मैक्सिकन दूतावास पर सशस्त्र वाहनों का उपयोग कर इक्वाडोर के पूर्व उपराष्ट्रपति जॉर्ज ग्लास को गिरफ्तार कर लिया, जो राजनयिक मिशन में शरण लिए हुए थे। श्री कास्त्रो ने कहा कि क्विटो में मैक्सिकन दूतावास में जबरन प्रवेश कर इक्वाडोर सरकार ने शरण पर अमेरिकी कन्वेंशन और राजनयिक संबंधों पर वियना कन्वेंशन का स्पष्ट उल्लंघन किया है जिसे देखते हुए, मैं तत्काल इस सोमवार, आठ अप्रैल को सीईएलएसी ट्रोइका और मंगलवार, नौ अप्रैल को विदेश मंत्रियों की बैठक बुलाता हूं... राष्ट्रपतियों की एक बैठक उसके बाद निर्धारित की जाएगी। श्री ग्लास ने 2022 के अंत में अपनी रिहाई से पहले रिश्वत एवं आपराधिक साजिश के लिए पांच वर्ष जेल की सजा काटी थी। हालांकि, दिसंबर 2023 में, उन्हें ब्राजील की निर्माण कंपनी ओडेब्रेच से जुड़े एक भ्रष्टाचार के मामले में छह वर्ष जेल की सजा सुनाई गई, जिसे वर्तमान में नोवोनर के नाम से जाना जाता है। गिरफ्तारी की आधिकारिक वारंट जारी होने से पहले श्री ग्लास ने मैक्सिकन राजनयिक मिशन में शरण मांग ली थी। पांच अप्रैल, 2024 को मैक्सिको ने श्री ग्लास को राजनीतिक शरण प्रदान की। इक्वाडोर ने मैक्सिको के फैसले को अवैध बताया और राजनेता के प्रत्यर्पण की मांग की।

## पेलेग्रिनी ने स्लोवाकिया में राष्ट्रपति चुनाव जीता

ब्रातिस्लावा । स्लोवाक संसद के अध्यक्ष पीटर पेलेग्रिनी ने 53.12 प्रतिशत वोटों के साथ स्लोवाकिया में राष्ट्रपति चुनाव जीता, उन्होंने यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति का विरोध किया था। सभी मतपत्रों की गिनती के बाद रविवार को स्लोवाक सांख्यिकी कार्यालय ने यह डेटा जारी किया। उनके प्रतिद्वंद्वी, पूर्व स्लोवाक विदेश मंत्री इवान कोरकोक, जो मुखर रूप से यूक्रेन के समर्थक हैं, को 46.87 प्रतिशत वोट प्राप्त हुए। गौरतलब है कि 23 मार्च को हुए पहले दौर के चुनाव में श्री कोरकोक को 42.51 प्रतिशत वोट, जबकि श्री पेलेग्रिनी को 37.02 प्रतिशत वोट प्राप्त हुए थे।

## चाबहार में आतंकियों ने बोला हमला, 10 सुरक्षा अधिकारियों समेत 18 आतंकी मारे गए

तेहरान(ईएमएस)। ईरान के दक्षिणी शहर चाबाहर में आतंकियों ने भीषण हमला कर दिया। इससे जुड कुछ वीडियो भी आए हैं। जिसमें गोलियों की आवाज सुनाई दे रही है। माना जा रहा है कि ये हमला बलूच विद्रोहियों ने किया है। आशंका है कि इस हमले के पीछे जैश अल अदल भी हो सकता है। ईरान के गृह मंत्रालय के मुताबिक गुरुवार की सुबह एक आतंकी समूह ने एक साथ कई हमले किए। लगभग 17 घंटों तक शहर की सड़कों पर गोलीबारी होती रही, जिसके परिणामस्वरूण 10 सुरक्षा अधिकारियों समेत 18 आतंकी मारे गए। सरकारी टेलीविजन ने सिस्तान और बलूचिस्तान प्रांत की सड़कों पर बंदूकधारियों की भागते हुए तस्वीरें सामने आई हैं। रॉकेट से लॉन्च होने वाले ग्रेनेड, गोलियां और जोरदार विस्फोटों से दोनों शहर दहल गए। 44 लोग हमले में घायल हो गए। रविवार की सुबह हफ्ते भर के अंदर ईरान पर दूसरा हमला हुआ है। गुरुवार को हुए हमले की जिम्मेदारी अलगाववादी जातीय बलूच समूह जैश अल-अदल ने ली थी। ईरान के उप गृहमंत्री माजिद मिरहमादी ने सरकारी टेलीविजन पर कहा था कि लड़ाई लगभग 17 घंटों तक चलती रही। उन्होंने कहा, बंदूकधारी घरों में घुस गए और लोगों को ढाल के रूप में इस्तेमाल करते हुए बंधक बना लिया। हालांकि सुरक्षाबल उन्हें बचाने में कामयाब रहे। उन्होंने बताया कि आतंकी विस्फोटक से भरी जैकेट पहने हुए थे। कई आतंकियों ने खुद को उड़ा लिया। ईरानी समाचार के मुताबिक पहले हुए हमले में आतंकियों ने इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स से जुड़े सैन्य ठिकानों पर कब्जा करने की कोशिश की। ईरान की सीमाओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी इसके पास है। ईरान पर ये हमला तब हुआ है जब इजरायल के साथ उसका तनाव बढ़ा हुआ है। सीरिया की राजधानी दमिश्क में ईरानी दूतावास पर सोमवार को हवाई हमला किया गया। इस हमले में ईरान के तीन वरिष्ठ कमांडर समेत चार अधिकारी मारे गए।

रुस में बाढ़ग्रस्त इलाके से निकलते हुए लोग।

## फिलिस्तीनियों को उत्तरी गाजा लौटने की इजाजत दे इजरायल : अमेरिका

वाशिंगटन,(ईएमएस)। राफा में इजरायली सैन्य अभियान की चिंताओं के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन कुछ विस्थापित गाजा नागरिकों को एन्क्लेव के उत्तरी हिस्से में जाने की अनुमति देने के लिए इजरायल पर दबाव बना रहा है। एक रिपोर्ट में कहा गया कि इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ हुई बातचीत में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने इस मुद्दे पर काम करने की मांग की। रिपोर्ट के मुताबिक बाइडन ने नेतन्याहू से एन्क्लेव में तुरंत युद्धविराम करने के साथ-साथ बातचीत करने वाली टीमों को इस मामले पर एक समझौते तक पहुंचने की अनुमति देने का भी आह्वान किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन ने गाजा में नागरिकों के खतरे को खत्म करने और सहायता कर्मियों की सुरक्षा के लिए इजरायली द्वारा तुरंत कदम उठाने की जरुरत पर भी बल दिया। रिपोर्ट में कहा है कि बाइडन ने साफ किया कि भविष्य में गाजा पर वाशिंगटन की नीति इन मुद्दों पर इजरायली कार्रवाइयों से निर्धारित होगी। इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने 22 मार्च को कहा था कि वह अभी भी राफा में सैन्य अभियान के लिए दृढ़ हैं क्योंकि हमास को हराने का कोई और तरीका नहीं है और उन्होंने कहा था कि वह इसे अमेरिकी समर्थन के साथ या उसके बगैर भी पूरा करेंगे।

# पाकिस्तान ने राजनाथ सिंह के बयान की निंदा की, अपनी संप्रभुत्ता की रक्षा का संकल्प जताया

**इस्लामाबाद (एजेंसी)।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आतंकवादियों को पाकिस्तान में घुसकर मारने की टिप्पणी के एक दिन बाद शनिवार को पड़ोसी मुल्क ने कहा कि वह अपनी संप्रभुत्ता की रक्षा करने के इरादे और क्षमता को लेकर दृढ़ है। यहां विदेश कार्यालय ने एक बयान में कहा कि पाकिस्तान ने हमेशा क्षेत्र में शांति के लिए अपनी प्रतिबद्धता दर्शायी है, लेकिन शांति की उसकी इच्छा का गलत मतलब नहीं निकाला जाना चाहिए। विदेश कार्यालय ने चुनाव में फायदे के लिए घृणास्पद भाषण देने के लिए भारत की सत्तारूढ़ सरकार की आलोचना करते हुए एक बयान में कहा, 'इतिहास पाकिस्तान के दृढ़ संकल्प और अपनी रक्षा करने की क्षमता का गवाह है।' विदेश कार्यालय का बयान राजनाथ सिंह की शुक्रवार की उस टिप्पणी के जवाब में आया है कि अगर आतंकवादी भारत में शांति भंग करने की कोशिश करते हैं या आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देते हैं तो उन्हें मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा और अगर वे पाकिस्तान भाग जाते हैं तो भारत पड़ोसी देश में घुसकर उन्हें मारेगा। राजनाथ सिंह ब्रिटिश अखबार 'द गार्जियन'' में प्रकाशित एक खबर को लेकर पूछे गए एक सवाल का जवाब दे रहे थे,

जिसमें दावा किया गया है कि भारतीय खुफिया एजेंसियों ने 2019 के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा दृष्टिकोण के तहत पाकिस्तान में आतंकवादियों की हत्या कराई है। विदेश कार्यालय ने कहा कि पाकिस्तान आक्रमण के किसी कृत्य के खिलाफ अपनी संप्रभुत्ता की रक्षा करने के इरादे और क्षमता को लेकर दृढ़ है तथा उसने श्रेष्ठ सेना होने के भारत के दावे को खारिज कर दिया। बयान में कहा गया है, 'पाकिस्तान के अंदर मनमाने ढंग से 'आतंकवादी' करार दिए गए और नागरिकों की हत्या करने की तैयारी के बारे में भारत का दावा स्पष्ट रूप से दोषी होने की स्वीकारोक्ति है।' इसमें कहा गया है, 'अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए यह जरूरी है कि वह भारत को उसके जघन्य और गैरकानूनी कार्यों के लिए जवाबदेह ठहराए।' उसने कहा कि ऐसा 'गैर-जिम्मेदाराना बर्ताव न केवल क्षेत्रीय शांति को कमजोर करता है, बल्कि दीर्घकाल में रचनात्मक भागीदारी की संभावनाओं को भी बाधित करता है।' सिंह ने कहा था कि भारत हमेशा अपने पड़ोसियों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखना चाहता है।

## चीनी नागरिक आदेश नहीं मानते इसलिए पाकिस्तान में मारे जाते हैं: मरियम नवाज

**इस्लामाबाद (एजेंसी)।** पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री व पूर्व पीएम नवाज शरीफ की बेटी ने मरियम नवाज का कहना है कि चीनी नागरिक सरकार का आदेश नहीं मानते और अपनी मनमानी करते हैं। मरियम नवाज ने शुक्रवार को कहा कि पाकिस्तान में चीनी नागरिक सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने के लिए कहे जाने पर नाराज हो जाते हैं।मरियम नवाज ने कहा, ''जब उन्हें सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने को कहा जाता है, तो वे नाराज हो जाते हैं। वे किसी भी अनुशासन का पालन नहीं करना चाहते।'' बैठक में लाहौर के कोर कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल सैयद आमिर रजा और अन्य वरिष्ठ सैन्य अधिकारी भी शामिल हुए। हालांकि, मरियम नवाज ने पंजाब में विकास परियोजनाओं पर काम कर रहे चीनी नागरिकों को पुख्ता सुरक्षा मुहैया कराने का वादा किया। बैठक में चीनी इंजीनियर के मारे जाने की घटना की भी निंदा की गई।

बता दें कि हफ्ते भर पहले, अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक आत्मघाती हमले में मारे गए छह लोगों में पांच चीनी इंजीनियर शामिल थे। पाकिस्तान के तीन

बार प्रधानमंत्री रहे नवाज शरीफ की बेटी और मौजूदा पीएम शहबाज शरीफ की भतीजी मरियम नवाज ने यहां अपनी पहली शीर्ष समिति बैठक में कहा, ''यहां रह रहे चीनी नागरिक सुरक्षा नियमों का पालन नहीं करना चाहते।''पिछले हफ्ते खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शांगला जिले के बिशम शहर में एक बस पर हुए आत्मघाती हमले में वाहन का पाकिस्तानी चालक और पांच चीनी इंजीनियर मारे गए थे। 50 वर्षीय मरियम नवाज ने कहा कि आतंकवाद ने कठिन युद्ध का रूप ले लिया है। उन्होंने कहा, ''आतंकवादी डिजिटल हो गए हैं और हमें ऐसे मंचों पर उनसे आगे रहने की जरूरत है। इसके अलावा, आतंकवादियों के पास नवीनतम हथियार और तकनीक है। उनके पास अमेरिकी हथियार हैं, जो उन्हें अफगानिस्तान में मिले हैं।''

## नेपाल : सत्ता के साझेदार दलों को गृहमंत्री की चेतावनी, मंत्रालय में हस्तक्षेप स्वीकार नहीं

काठमांडू। नेपाल में सत्ता में साझेदार दलों के बीच एक महीने के भीतर मतभेद उभरने लगे हैं। प्रचण्ड सरकार को समर्थन देने वाली राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अध्यक्ष तथा उपप्रधानमंत्री रवि लामिछाने ने प्रधानमंत्री प्रचण्ड एवं एमाले अध्यक्ष ओली को अप्रत्यक्ष रूप से उनकी पार्टी को मिले मंत्रालयों में हस्तक्षेप न करने की चेतावनी दी है। रवि लामिछाने ने पुलिस विभाग में पिछले सप्ताह हुए कुछ प्रमोशन, ट्रांसफर और पोस्टिंग में प्रधानमंत्री प्रचण्ड और सत्तारूढ़ गठबन्धन में शामिल नेकपा एमाले के अध्यक्ष केपी शर्मा ओली के हस्तक्षेप को आगे बर्दाश्त नहीं किए जाने की बात कही है।

## जंगल के अंदर मिला 'कीमती खजाना', अंदर मिला लग्जरी कारों का कब्रिस्तान

**लंदन (एजेंसी)।** इंग्लैंड के मिल्टन कीन्स के रहने वाले एशले उरबेक्स नई-नई चीजें तलाशते रहते हैं। उन्होंने अपने एक दोस्त से सुना था कि जंगल में कीमती खजाना छुपा हुआ है। तभी से एशले जंगल की खाक छान रहे थे। उन्हें यकीन था कि अगर ये बात कहीं से आई है, तो निश्चित तौर पर कुछ तो होगा। वह कई महीनों से जंगल-जंगल घूम रहे थे। आखिरकार एक दिन उनकी इच्?छा पूरी हो गई। जब जंगल के अंदर उन्?हें एक 'कीमती खजाना' नजर आया। एशले ने सोशल मीडिया मंच टिकटॉक पर एक वीडियो शेयर कर पूरी बात बताई। कहा, नॉटिंघमशायर के जंगल में घूमते हुए उसे एक शेड नजर आया। अंदर गई तो लग्जरी कारों का विशाल काफिला बंद था। सारी विंटेज कारें थीं। इनमें मर्सिडीज, फोर्ड और रिले वन-पॉइंट-फाइव शामिल थीं। पहले तो एशले को लगा कि शायद कोई घूमने आया होगा, और छोड़कर गया होगा। लेकिन जैसे-जैसे वे अंदर घुसते गए, देखकर हैरान रह गए। एक दो नहीं बल्कि 50 लग्जरी कारों का काफिला था। एशले ने कहा, दुख की बात है कि इन विंटेज कारों को सड़ने के लिए छोड़ दिया गया था। इनमें एक पुराना डेमलर, रोवर 2300, रिले वन-पॉइंट-फाइव, एमजी एमजीए, ट्रायम्फ जीटी6 एमके3, ऑस्टिन 8, हिलमैन हंटर, वैंडेन प्लास, मर्सिडीज 220, एक ऑस्टिन मॉरिस मिनी और कई फोर्ड शामिल हैं। 26 साल की एशले ने बताया कि अधिकांश कारें सड़ रही थीं और खराब स्थिति में थीं। उन पर बहुत सारा जंग लगा हुआ था। जब उन्होंने इसके बारे में पता करने की कोशिश की, तो जो जानकारी हाथ लगी वह और भी चौंकाने वाली थी। पता चला कि बहुत सारे लोग इस जंगल में घूमने के लिए आते हैं और सैकड़ों मील की दूरी तय करने के बाद अपनी कारों को छोड़कर चले जाते हैं।

## अमेरिका इंडो पैसिफिक में तैनात करेगा परमाणु मिसाइलें, चीन की बढ़ेंगी मुश्किलें

**टोक्यो (एजेंसी)।** अमेरिकी सेना के इंडो-पैसिफिक कमांडिंग जनरल चार्ल्स फ्लिन ने टोक्यो की अपनी यात्रा के दौरान चीन के खिलाफ सैन्य तैयारियों पर बड़ा खुलासा किया है। चीन की मिसाइल क्षमताओं के आधुनिकीकरण के बारे में फ्लिन ने कहा कि इसका मुकाबला करने के तरीके खोजना अमेरिकी सेना के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। फ्लिन ने किसी विशेष मिसाइल का नाम बताने से इनकार कर दिया, लेकिन ऐसा माना जाता है कि अमेरिका टाइफॉन मिसाइल प्रणाली को तैनात करने का इरादा रखता है।उन्होंने जापानी मीडिया के साथ इंटरव्यू में कहा कि अमेरिकी सेना ने इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में मध्यम दूरी की मिसाइलों को तैनात करने की योजना बनाई है। फ्लिन ने जापान में अमेरिकी दूतावास में कहा, क्षेत्र में अपने सहयोगियों और साझेदारों के साथ काम करते हुए और हमारे पास मौजूद विभिन्न संयुक्त अभ्यासों के साथ मिलकर काम करते हुए, उन [मिसाइलों] को जल्द ही क्षेत्र में तैनात किया जाएगा।

टाइफॉन मिसाइल प्रणाली जमीन पर आधारित वाहनों से टॉमहॉक क्रूज मिसाइलों और एसएम -6 मल्टी-मिशन एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइलों को लॉन्च करने में सक्षम है। इसे मिड-रेंज कैपेबिलिटी (एमआरसी) भी कहा जाता है। टाइफॉन को प्रिसिजन स्ट्राइक मिसाइल और लॉन्ग-रेंज हाइपरसोनिक हथियार

के बीच रेंज गैप के आसपास मानक मिसाइल -6 या टॉमहॉक मिसाइलों को फायर करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस सिस्टम को रूस के साथ इंटरमीडिएट-रेंज परमाणु संधि समाप्त होने के बाद तैनात किया जा रहा है। चीन तेजी से जमीन से लॉन्च की जाने वाली मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें हासिल कर रहा है, जो नानसेई द्वीप और ताइवान तक पहुंचने में सक्षम हैं। इस कारण अमेरिकी सेना के लिए इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन के साथ मिसाइल अंतर को कम करना अनिवार्य हो गया है। फ्लिन ने कहा कि वह एक दशक से चीन के आधुनिकीकरण और पुनर्गठन, प्रशिक्षण और उनके अभ्यास के पैमाने को करीब से देख रहे हैं। उन्होंने कहा, पिछले 10 वर्षों से यह जिस रास्ते पर चल रहा है वह खतरनाक है।

## एलियंस और यूएफओ को लेकर पेंटागन की रिपोर्ट, गुप्त सरकारी कार्यक्रमों को अफवाह बताया

**पेंटागन (एजेंसी)।** एलियंस नाम सुनते ही हम कल्पना करने लग जाते हैं, उस जीव की जो मानव से ज्यादा विकसित है। पर हकीकत ये है कि एलियंस शब्द का सीधा सा मतलब एक ऐसा जीव जो पृथ्वी पर पैदा न हुआ हो। दुनिया में एलियंस और यूएफओ के बारे में लगातार चर्चा होती है। लेकिन क्या दुनिया में सच में एलियंस का अस्तित्व है? ये एक ऐसा सवाल है, जिसने वैज्ञानिकों को सबसे ज्यादा परेशान किया है। करीब एक साल पहले लोगों ने आरोप लगाया था कि अमेरिकी सेना कुछ इसतरह के कार्यक्रमों में जुटी हुई है, जिनका ध्यान एलियंस और उनके स्पेसशिप पर ही है। अब अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन की यूएफओ (अनआइडेंटिफाइड फ्लाइंग ऑबजेक्ट) रिपोर्ट में इस तरह के पृथ्वी की बाहरी वस्तुओं को लेकर बने किसी भी गुप्त सरकारी कार्यक्रमों को अफवाह करार दिया है।

पेंटागन की नई यूएफओ रिपोर्ट गुप्त-सरकार द्वारा चलाए जा रहे अतिरिक्त स्थलीय कार्यक्रमों की अफवाहों को संबोधित करती है लेकिन कई महत्वपूर्ण सवाल छोड़ती है। अमेरिकी सेना पर विदेशी अंतरिक्ष यान पर केंद्रित गुप्त कार्यक्रम चलाने का आरोप लगाने वाली बेबुनियाद अटकलों और मुखबिरों के एक साल के बाद, अमेरिकी रक्षा विभाग ने घोषणा की कि उस सरकार द्वारा एलियंस के साथ संपर्क को छुपाने का कोई सबूत नहीं मिला है।

एक रिपोर्ट में, अमेरिका के रक्षा विभाग की यूएफओ अध्ययन शाखा, ऑल-डोमेन एनोमली रेजोल्यूशन ऑफिस (एएआरओ) ने कहा कि अध्ययन में-कोई सबूत नहीं मिला कि कोई यूएसजी (अमेरिकी सरकार) जांच, अकादमिक-प्रायोजित अनुसंधान, या आधिकारिक समीक्षा पैनल ने पुष्टि की है कि यूएपी का कोई भी दृश्य अलौकिक तकनीक का प्रतिनिधित्व करता है। सरकारी यूएफओ कवर की जोरदार अस्वीकृति के बावजूद, रिपोर्ट और भी सवाल उठाती है जो भविष्य में तकनीकी और वैज्ञानिक रूप से अभूतपूर्व साबित हो सकते हैं। रिपोर्ट में गवाहों और व्हिसलब्लोअर के दावों के बावजूद एएआरओ जांचकर्ताओं का विवरण दिया गया है और उन्हें विशेष पहुंच कार्यक्रमों और वर्गीकृत डिब्बों में वापस खोजा गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## बस पलटने से चार की मौत, 30 घायल

बेंगलुरु। बेंगलुरु से गोकर्ण जा रही एक निजी बस के होलालकेरे शहर के पास रविवार तड़के पलट जाने से चार यात्रियों की मौत हो गई और लगभग 30 यात्री घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक घटना होलालकेरे शहर के बाहरी इलाके में अंजनेय मंदिर के पास हुई। घटना के वक्त सभी यात्री सो रहे थे। तभी अचानक बस पलट गई और उसमें सवार चार यात्रियों की मौत हो गई और करीब 30 लोग घायल हुए हैं जिनमें से आठ की हालत नाजुक है। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और घटना में मृत लोगों के शव मच्युरी में रखा दिए गए हैं। इस मार्ग पर आए दिन हादसे होते हैं जिसके लिए लोगों ने सड़कों के निर्माण को जिम्मेदार बताया है।

## प्रतीश विश्वनाथ ने लगाया शशि थरूर पर बिटकॉइन ईटीएफ पर पाखंड करने का आरोप

तिरुवनंतपुरम। हिंदू सेवा केंद्रम के संस्थापक प्रतीश विश्वनाथ ने कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ उम्मीदवार डॉ. शशि थरूर पर बिटकॉइन ईटीएफ रखने पर पाखंड का आरोप लगाया है। श्री प्रतीश ने कहा कि बिटकॉइन के खिलाफ सार्वजनिक बयान देने वाले डॉ. थरूर ने अपने नामांकन हलफनामे में खुलासा किया है कि उनके पास बिटकॉइन ईटीएफ है। उन्होंने कहा, 'बिटकॉइन की अपनी पिछली आलोचना के बावजूद, थरूर द्वारा बिटकॉइन ईटीएफ रखना उनके दोहरे रुख को उजागर करता है। उनके सार्वजनिक बयानों और निजी निवेश के बीच विरोधाभास है जो उनकी ईमानदारी और पारदर्शिता पर सवाल खड़े करता है।' वह तिरुवनंतपुरम लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे डॉ. थरूर के इस खुलासे पर प्रतिक्रिया दे रहे थे कि उनके पास 5,11,314 रुपये मूल्य का बिटकॉइन ईटीएफ है। उन्होंने प्रतिबंधित आतंकी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) की राजनीतिक शाखा सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) की हालिया घोषणा पर भी गहरी चिंता व्यक्त किया कि वह केरल में अगामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को वोट देगी। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी उम्मीदवार राजीव चंद्रशेखर के खिलाफ निराधार आरोप लगाने के लिए भी श्री थरूर की आलोचना की। उन्होंने श्री थरूर के इन आरोपों का भी जोरदार खंडन किया कि श्री चंद्रशेखर ने ईसाई समुदायों के कुछ नेताओं को चुनावी समर्थन प्रदान करने के लिए पैसा देने का वादा किया है।

## दिल्ली में न्यूनतम तापमान 16.3 डिग्री सेल्सियस

राष्ट्रीय राजधानी में रविवार को न्यूनतम तापमान 16.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो इस मौसम के औसत तापमान से तीन डिग्री कम है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग ने आज दिन में तेज हवाएं चलने का अनुमान जताया है। वहीं अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 175 दर्ज किया गया जो 'मध्यम' श्रेणी में आता है। शून्य से 50 तक के एक्यूआई को 'अच्छा', 51 से 100 को 'संतोषजनक', 101 से 200 को 'मध्यम', 201 से 300 को 'खराब', 301 से 400 को 'बहुत खराब' और 401 से 500 को 'गंभीर' माना जाता है।

## उद्धव ठाकरे को झटका देकर शिंदे नीत शिवसेना में शामिल हुए पूर्व मंत्री बबनराव घोलप

मुंबई। लोकसभा चुनाव से पहले उद्धव ठाकरे गुट को झटका देते हुए महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री एवं शिवसेना (यूबीटी) के उपनेता बबनराव घोलप शनिवार को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए। शिंदे ने कहा कि अगले दो दिन में राजस्थान के दो और विधायक पार्टी में शामिल होंगे। हालांकि, उन्होंने इसके बारे में ज्यादा विस्तार से नहीं बताया। पिछले माह राजस्थान के बयाना से निर्दलीय विधायक ऋतु बनावत शिवसेना में शामिल हो गई थीं। शिंदे ने राज्य के मंत्री दादा भुसे और महाराष्ट्र विधान परिषद की उपाध्यक्ष नीलम गोरे की मौजूदगी में घोलप का पार्टी में स्वागत किया। नासिक जिले से पांचवीं बार विधानसभा में प्रतिनिधित्व कर रहे घोलप के शिंदे खेमे में शामिल होने से उत्तर महाराष्ट्र में पार्टी की संभावनाएं बढ़ सकती हैं। पूर्व विधायक संजय पवार भी शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हुए।

## पुणे का 22 वर्षीय युवक जहाज से लापता, कंपनी को नहीं है कोई जानकारी

पुणे। पुणे का प्रणव कराड नाम का युवक अमेरिका से लापता हो गया है. यह युवक अमेरिका में एक जहाज पर काम करता था। लेकिन अब प्रणव के परिवार को उसके अचानक गायब होने की जानकारी दी गई है. इन सबके चलते प्रणव का परिवार काफी परेशान है. मिली जानकारी के मुताबिक प्रणव विल्समैन शिप मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड में एक जहाज पर डेट कैडेट के रूप में काम करता है। उसके पिता ने कहा है कि प्रणव पिछले तीन दिनों से लापता है. मुंबई की एक कंपनी प्रणव की तलाश में जुट गई है. हालांकि उनके पिता ने यह भी कहा है कि प्रणव के लापता होने की सूचना देने के बाद मुंबई की कंपनी ने अब तक कोई संतोषजनक जानकारी नहीं दी है. लापता युवक के पिता का नाम गोपाल कराड है. पुणे के वारजे इलाके में रहने वाले प्रणव कराड पिछले छह महीने से मुंबई में विल्समैन शिप मैनेजमेंट इंडिया में कार्यरत हैं। गोपाल कराड ने अपने 22 वर्षीय पुत्र प्रणव के शुक्रवार रात से लापता होने की शिकायत वारजे पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई है. उसके परिवार ने जानकारी दी है कि जब वह लापता हुआ तो वह सिंगापुर और इंडोनेशिया के बीच चलने वाले एक टैंकर पर तैनात था। शुक्रवार को कंपनी के अधिकारियों ने उनके परिवार को घटना की जानकारी दी। इसके बाद कंपनी ने मेल कर प्रणव के परिवार को इसकी जानकारी दी. प्रणव ने एमआईटी, पुणे से नॉटिकल साइंस में अपनी पढ़ाई पूरी की थी और विल्समैन शिप मैनेजमेंट में काम कर रहे थे। वह रिजॉल्व टू पर डेक कैडेट के रूप में तैनात थे। उनके पिता कहते हैं कि गुरुवार को हमें जहाज के अधिकारियों का फोन आया और फिर शुक्रवार को एक ईमेल मिला। प्रणव सिंगापुर और इंडोनेशिया के बीच जहाज से लापता हो गया है। कंपनी हमें बता रही है कि तलाश जारी है लेकिन वह कैसे लापता हुए इसके बारे में अधिक जानकारी नहीं है। हमने गुरुवार को व्हाट्सएप कॉल पर उनसे बात की। कंपनी ने उनके साथ काम करने वाले अन्य लोगों के मोबाइल नंबर देने से इनकार कर दिया है। हमने प्रधानमंत्री कार्यालय और विदेश एवं जहाजरानी मंत्रालय तक पहुंचने में असमर्थ हैं। हम मदद के लिए पुणे और मुंबई में पुलिस और अन्य अधिकारियों से संपर्क कर रहे हैं।

## उम्मीदवार चुनावी खर्च का हिसाब आयोग के निर्देशानुसार रखें

सागर। लोकसभा चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों से चुनाव के दौरान होने वाले खर्च का हिसाब भी निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार रखे जाने के लिए कहा गया है। उम्मीदवारों से कहा गया है कि वे स्वयं या अपने चुनाव एजेंट के पास चुनाव का खर्च रखें। यह खर्च उम्मीदवार के नाम-निर्देशन दाखिल करने की तारीख से चुनाव परिणाम की तारीख को शामिल करते हुए रखा जाएगा। निर्वाचन आयोग ने लोकसभा चुनाव में शामिल होने वाले उम्मीदवारों के लिए खर्च की अधिकतम सीमा 95 लाख रूपए तय की है। चुनावी खर्च के संबंध में भारत निर्वाचन आयोग ने लोक जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के प्रावधानों का उल्लेख किया है।

# कांग्रेस ने राजनीतिक पार्टी बने रहने का नैतिक अधिकार गंवाया, अनुच्छेद 370 पर मल्लिकार्जुन खरगे की टिप्पणी पर बीजेपी ने कसा तंज

**नयी दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को कहा कि अनुच्छेद 370 को समाप्त करने को लेकर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की टिप्पणी के बाद कांग्रेस ने राजनीतिक पार्टी बने रहने का नैतिक अधिकार खो दिया है। पूर्ववर्ती जम्मू कश्मीर राज्य को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को समाप्त करने को लेकर खरगे द्वारा भाजपा पर तंज कसे जाने के एक दिन बाद केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी ने कांग्रेस पर हमले तेज कर दिए। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने आरोप लगाया, ''कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राजस्थान में कहा कि अनुच्छेद 370 हटने से क्या फर्क पड़ता है? यदि कोई पार्टी कहती है कि कश्मीर के एकीकरण से अन्य राज्यों में उसे क्या फर्क पड़ता है तो यह स्पष्ट है कि देश की एकता और अखंडता के लिए हर किसी के द्वारा ली गई शपथ के प्रति आपको (कांग्रेस को) कोई सम्मान नहीं है।''

भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि अनुच्छेद 370 पर खरगे की टिप्पणी के बाद कांग्रेस, 'जिसने राष्ट्रीय दल का दर्जा या अधिकार लगभग खो दिया है, अब नैतिक दृष्टिकोण से राजनीतिक दल होने का भी अधिकार खो चुकी है'। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब खुद को 'क्षेत्रीय

ताकतों का समूह' कह सकती है। त्रिवेदी ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधान समाप्त किए जाने के साथ नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार ने राष्ट्रीय एकता के भाजपा के संकल्प को पूरा किया है जो श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नेतृत्व में लिया गया था और उन्होंने इसके लिए अपना जीवन कुर्बान कर दिया था। भाजपा नेता ने कहा, ''यह हमारी और उनकी (कांग्रेस की) सोच में अंतर है।''

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शनिवार को खरगे की टिप्पणी को 'शर्मनाक' करार देते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा था। उन्होंने कांग्रेस को यह भी याद दिलाया कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और इस पर हर राज्य और नागरिक का अधिकार है, जैसे जम्मू-कश्मीर के लोगों का देश के बाकी हिस्सों पर अधिकार है। शाह और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अन्य नेताओं ने 'एक्स' पर खरगे के भाषण की एक क्लिप साझा की, जिसमें उन्हें राजस्थान में अनुच्छेद 370 को हटाने के बारे में बात करने की वजह से सत्तारूढ़ दल पर निशाना साधते हुए सुना जा सकता है। क्लिप में खरगे यह कहते सुने जाते हैं, ''अरे भाई, यहां के लोगों से (इसका) क्या वास्ता है?''

कांग्रेस प्रमुख ने अनुच्छेद 370 की जगह अनुच्छेद 371 का गलत उल्लेख भी किया। जम्मू-कश्मीर को विशेष अधिकार देने वाले अनुच्छेद 370 को अगस्त 2019 में भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने निरस्त कर दिया था। त्रिवेदी ने खरगे द्वारा संविधान के अनुच्छेद 371 का जिक्र किए जाने पर विपक्षी दल पर निशाना साधते हुए कहा, ''कांग्रेस शायद अब 370 से डर गई है और शायद हताशा में उन्होंने इसे 371 कह दिया।'' भाजपा नेता ने इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के साथ गठबंधन को लेकर कांग्रेस पर ताजा हमला बोला और कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का यह आरोप कि कांग्रेस के लोकसभा चुनाव घोषणापत्र में मुस्लिम लीग की छाप है, पूरी तरह सही है।

## आजादी के बाद पहली बार मतदान करेंगे बूढ़ा पहाड़ के लोग

गढ़वा (झारखंड)। जहां कभी दहशत का माहौल था, वहां अब लोकतंत्र के उत्सव में भाग लेने की खुशियां हैं। जी हां, देश की आजादी के बाद पहली बार बूढ़ा पहाड़ के लोग आगामी लोकसभा चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। प्रशासन की ओर से यहां के लोगों को मतदान के प्रति जागरूक किया जा रहा है। जिले के डीसी और एसपी खुद यहां पहुंचकर लोगों को उनके मताधिकार के महत्व व उसके प्रयोग की जानकारी दे रहे हैं। लोगों में भी अपने इस अधिकार के प्रयोग को लेकर उत्साह है। एक वर्ष पूर्व सुरक्षा बलों ने गढ़वा जिले में स्थित बूढ़ा पहाड़ को नक्सलियों के चंगुल से आजाद कराया था। बताया जाता है कि अभी तक दहशत में रहे यहां के लोगों ने अब तक कभी मतदान ही नहीं किया है। इस बार लोकसभा चुनाव मे यहां मतदान कराने को लेकर डीसी, एसपी और सीआरपीफ के अधिकारियों ने विशेष तैयारी की है। यहां 13 मई को मतदान होना है। चुनाव आयोग के निर्देश पर डीसी और एसपी यहां खुद पहुंचे और ग्रामीणों से बगैर किसी भय के मतदान की अपील की। कभी दिन रात नक्सलियों की बंदूकों की तड़तड़ाहट और बम धमाकों की आवाजें सुनने वाले यहां के बच्चों को अब कविताएं सुनाई जा रही हैं। दहशत का स्थान अब पेंसिल ने ले लिया है। स्कूलों में जा रहे बच्चे अब बड़े प्यार से पढ़ाई कर रहे हैं। बच्चों के मुख से क से कबूतर ए से एप्पल और टू वन जा टू, टू टू जा फोर आदि सुनकर अधिकारियो ने भी खुशी जाहिर की। एसपी ने बताया कि उन्होंने बगैर किसी भय के लोगों से मतदान की अपील की है। उन्हें हर प्रकार की सुरक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। डीसी ने कहा कि कभी नक्सलियो के कैद में रहे इस इलाके में अब विकास कार्य हो रहे हैं। हमने सभी से लोकसभा चुनाव मे मतदान की अपील की है। कभी भाकपा माओवादियों के इस गढ़ में आज शांति का संगीत सुनाई दे रहा है। हालांकि अभी भी सुरक्षा जवान 24 घंटे अलर्ट पर रहते हैं। लोगों में लोकतंत्र के महापर्व में शामिल होने को लेकर उत्साह व उमंग है।

# कन्हैया का 400 पार पर तंज.... पेट्रोल 100 रुपये पार क्यों गया

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के '400 पार' के नारे को धारणा बनाने की कवायद और वास्तविकता बदलने का कुत्सित प्रयास करार देकर कहा है कि भाजपा को हार का डर है, इसवजह से भाजपा देश को धोखा देने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस नेता कुमार ने सवाल भी किया कि जो नेता कांग्रेस में रहकर चुनाव नहीं जीत सकते, उनकी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के लिए भला क्या उपयोगिता है?

उन्होंने कहा कि पहले सत्ता में रहे दलों की कहीं न कहीं यह ''विफलता'' रही कि लोग 'भाजपा के अतिवाद' की तरफ आकर्षित हो गए, लेकिन यह स्थिति कभी भी बदल सकती है, क्योंकि भारत का समाज प्रेम, समानता, सह-अस्तित्व और सहिष्णुता के साथ खड़ा होता है। यह पूछने पर कि भाजपा '400 पार' का नारा दे रही है, तब यह नहीं लगता कि विपक्ष कहीं पीछे छूट रहा है, उन्होंने कहा, ''इस बात में ही भाजपा की हताशा झलकती है, हार का डर झलकता है। क्या आपने सुना है कि भारतीय क्रिकेट टीम आस्ट्रेलिया से मैच खेलने गई हो और मैच से पहले कह रही हो, 400 पार।

कुमार ने दावा किया कि 'परसेप्शन मैनेजमेंट' से वास्तविकता को बदलने की कोशिश की जा रही है। अगर 400 पार हो ही रहा है, तब फूंके हुए कारतूसों को अलग-अलग जगह से अपनी पार्टी में शामिल कराने का क्या मतलब है? कांग्रेस नेता ने सवाल किया कि अगर कोई कांग्रेस में रहकर चुनाव नहीं जीत रहा है, तब भाजपा में उसकी क्या उपयोगिता है?

उन्होंने कांग्रेस के कई नेताओं के पाला बदलने का हवाला देकर कहा, ''आप जिन लोगों को बुरा-भला कहते थे अब उनकी तारीफ कर रहे हैं। कई लोग थे जिन्हें राष्ट्रविरोधी शब्द से संबोधित किया जाता था, लेकिन अब वे भाजपा में हैं। ऐसा लगता है कि भाजपा को बेशर्मी की खदान हाथ लग गई है जब मौका मिलता है, थोड़ी बेशर्मी निकाल लाती है। जो टीवी स्टूडियो में मुर्गे की तरह लड़ रहे थे, एक अब एक तरफ जाकर बैठे हैं।''

उन्होंने दावा किया, क्या यह 400 पार का आत्मविश्वास है? यह धोखा है। कोई पूछे नहीं है कि पेट्रोल 100 के पार क्यों चला गया, इतनी महंगाई क्यों है? कुमार ने कहा, ''कहते हैं कि अर्थव्यवस्था पांच हजार अरब डॉलर के पार जा रही है। अगर ऐसा है, तब 80 करोड़ लोग कौन हैं जिन्हें मुफ्त का अनाज दिया जा रहा है और सरकार अपनी पीठ थपथपा रही है।''

उन्होंने कहा, ''वास्तविकता छिपाने का बार-बार प्रयास किया जा रहा है। यह देश के उन लोगों का अपमान है जिन्हें मत देना है। अगर पहले से तय है कि सीट 400 पार होनी ही हैं, तब चुनाव क्यों करा रहे हैं?'' कांग्रेस इस अवधारणा को समझ रही है। इस तरह (अटल बिहारी) वाजपेयी जी के समय में 'इंडिया शाइनिंग' की धारणा पैदा की गई थी, लेकिन चुनावी नतीजे आए, तब पता चला कि राजग (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) की सरकार चली गई और संप्रग (संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन) की सरकार बनी।''

कांग्रेस नेता कुमार ने कहा, जो पुरानी पार्टियां हैं, जो सत्ता में रही हैं उनकी विफलता को हम छिपाने का प्रयास नहीं कर रहे। कहीं न कहीं हमारी विफलता है। यह बात कैमरे के सामने स्वीकार करते हैं। अगर हम अपनी चीजों को जनता तक उनकी में लेकर जाते, विश्वास को बनाकर रखते, तब लोग अतिवाद की तरफ नहीं जाते क्योंकि अतिवाद इस समाज का स्वभाव नहीं है। कांग्रेस नेता ने कहा, ''पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि यह बदलेगा। अंतत- समाज प्रेम, समानता, सह-अस्तित्व और सहिष्णुता के साथ जाता है।

## पीएम मोदी के बयान पर तेजस्वी का पलटवार... क्या भाजपा का विरोध भगवान का विरोध हो गया

**नवादा (एजेंसी)।** बिहार के नवादा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनावी रैली में इंडी एलायंस और आरजेडी पर सनातन धर्म के अपमान का आरोप लगाकर उन्हें सनातन विरोधी बताया। अब पूर्व डिप्टी सीएम और पूर्व सीएम लालू यादव के बेटे तेजस्वी यादव ने प्रतिक्रिया देकर कहा कि पीएम के पास और कुछ नहीं है, उनके पास क्या सबूत है इस बात का, हम और आप हिंदू नहीं हैं क्या?

तेजस्वी ने कहा, मेरे घर में मंदिर है, हमलोग पूजा नहीं करते हैं क्या ? ये दिखावी वाली बात हैं क्या, हम क्या विरोधी हैं। जितने भाजपा के नेता हैं, वे अपने आपको भगवान समझ रहे हैं क्या? उनका विरोध कर रहे हैं,तब ये भगवान का विरोध कैसे हुआ। भाजपा के लोग अपनी तुलना भगवान से न करें। भगवान सब देख रहे हैं और सभी को वहीं जाना है।

बता दें कि नवादा से बीजेपी विवेक ठाकुर उम्मीदवार हैं और उन्हीं के प्रचार के लिए पीएम मोदी शनिवार को नवादा पहुंचे थे। उन्होंने लोगों को संबोधित करते कहा, पिछले दिनों अयोध्या में बनी राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा हुई, जिसमें विपक्ष के कई दलों ने हिस्सा नहीं लिया। उन्होंने कहा, मोदी ने गारंटी दी थी कि अयोध्या में रामलला का भव्य मंदिर बनेगा, आज राम मंदिर का शिखर आसमान छू रहा है। जो पांच सौ वर्षों में नहीं हो पाया, जिस राम मंदिर के निर्माण को रोकने की कांग्रेस और आरजेडी वर्षों तक कोशिश की, वहां बनकर तैयार हो गया। देशवासियों के पैसों से मंदिर बना है, देशवासियों ने बनाया है।

पीएम मोदी ने कहा, इंडी गठबंधन के लोगों की क्या दुश्मनी है, प्रभु राम, अयोध्या और हमारी विरासत से कि इन्होंने राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा का विरोध किया। इतना ही नहीं, इनके मन में इतना जहर भरा है कि उनकी पार्टी के कुछ लोग प्राण प्रतिष्ठा में आ गए, तब उन्हें 6 साल के लिए पार्टी से निकाल दिया। राम नवमी आ रही है, ये पाप करने वालों को भूलना मत। इसपर प्रतिक्रिया देकर तेजस्वी ने कहा कि प्रधानमंत्री को ऐसी बातें नहीं बोलनी चाहिए।

## निरुपम ने प्रियंका गांधी पर साधा निशाना- बोले राजस्थान में दिखी कांग्रेस में आपसी टकराहट

**मुंबई (एजेंसी)।** कांग्रेस से निलंबित किए गए संजय निरुपम अब कांग्रेस को बार बार निशाने पर ले रहे हैं। हाल ही में कांग्रेस की जयपुर में हुई चुनावी सभा पर उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि प्रियंका गांधी का भाषण सुनकर लग रहा था कि वे पूर्व सीएम अशोक गहलोत को ट्रोल कर रहीं हैं। उन्होंने कहा कि प्रियंका ने राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की उपस्थिति में परीक्षा पेपर लीक का मुद्दा उठाया। ऐसा लगता है कि उन्हें यह लगा कि वह यूपी में बोल रही हैं। या फिर वह गहलोत को ट्रोल कर रही होंगी। या नहीं तो यह पार्टी के अंदर पावर सेंटर के बीच टकराव का असर है। आपको बता दें कि गहलोत के शासन के दौरान पेपर लीक एक ज्वलंत मुद्दा रहा।

संजय निरुपम का कांग्रेस से निष्कासन तब हुआ जब उन्होंने दावा किया कि उन्होंने पहले ही पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि पार्टी में सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और महासचिव केसी वेणुगोपाल के पांच शक्ति केंद्र हैं। ये कभी कभी लॉबी एक-दूसरे से टकराती हैं। निरुपम इस बात से नाराज थे कि मुंबई उत्तर-पश्चिम सीट के लिए उनके नाम पर विचार नहीं किया जा रहा था। कांग्रेस ने यह सीट उद्धव बालासाहेब ठाकरे (शिवसेना) को चुनाव लड़ने के लिए दे दी। शिवसेना ने अमोल किरीटकर को उम्मीदवार घोषित किया था, जिन्हें संजय निरुपम ने खिचड़ी चोर कहा था।

संजय निरुपम ने तुरंत अपने अगले कदम के बारे में खुलासा नहीं किया, लेकिन एकनाथ शिंदे की सेना ने कहा कि उनके एक या दो दिनों में पार्टी में शामिल होने की उम्मीद है।

## देश में गर्मी दिखा रही असर, यूपी के कई शहरों में पारा 40 पार

### - पहाड़ी इलाकों में बारिश और बर्फबारी की संभावना

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** अप्रैल माह चल रहा है और यूपी के कई शहरों का तापमान 40 डिग्री के पार है। मौसम विभाग के अनुसार अगर ऐसे ही तापमान बढ़ता रहा तो मई-जून में यूपी का तापमान 47 डिग्री सेल्सियस के भी ऊपर जा सकता है। आज यूपी के कुछ शहरों में बादल छाए रहेंगे। अधिकतम तापमान में दो डिग्री तक गिरावट आ सकती है।

उत्तर भारत में पड़ रही भयंकर गर्मी के बीच मौसम विभाग ने बारिश होने की संभावना जताई है। मौसम के विभाग के अनुसार पूर्वोत्तर भारत में अगले पांच दिनों तक बारिश और तूफान की स्थिति बनी रहेगी। अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, मिजोरम और त्रिपुरा में बिजली कड़कने के साथ ही बारिश का भी अलर्ट जारी किया है। देश की राजधानी दिल्ली की बात करें तो यहां भी गर्मी लोगों को बेचैन कर रही है। शुक्रवार को दिल्ली में न्यूनतम तापमान औसत से एक डिग्री ज्यादा था। यहां आज पूरे दिन मौसम साफ बना रहा रहेगा। वहीं अधिकतम तापमान 36 डिग्री रहने की संभावना है। वही हवा 25-30 किलोमीटर प्रति घंटे के रफ्तार से चलेगी।

### उत्तराखंड में बर्फबारी की चेतावनी

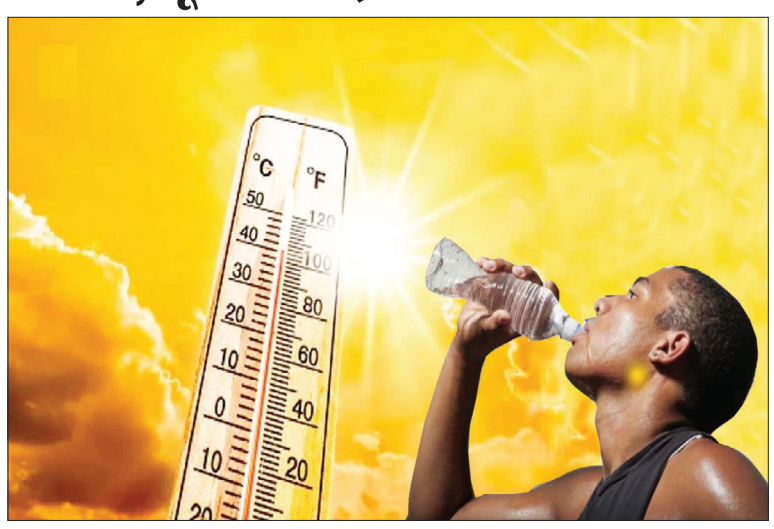


पहाड़ी इलाकों की बात करें तो पहाड़ों में एक बार फिर मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। उत्तराखंड के पहाड़ी इलाके देहरादून, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर, अल्मोड़ा, पिथौरागढ़ में कहीं-कहीं गरज के साथ बिजली चमकने की चेतावनी दी की है। वहीं ऊंचाई वाले स्थानों पर बर्फबारी की संभावना है।

### छत्तीसगढ़ में बारिश के आसार

छत्तीसगढ़ में गर्मी अपना असर दिखा रही है लोगों को बाहर निकलने के लिए सोचना पड़ रहा है। छत्तीसगढ़ के कई शहरों का तापमान 40 डिग्री के ऊपर पहुंच चुका है। हालांकि मौसम विभाग 6 और 7 अप्रैल को बारिश की संभावना जताई है।

## सीएम केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में पूरी दुनिया में उपवास

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल कथित शराब घोटाले में गिरफ्तार किए गए हैं। उनकी गिरफ्तारी का विरोध भारत ही नहीं बल्कि समूची दुनिया में हो रहा है। रिहाई की मांग को लेकर इस उपवास की शुरुआत शहीद सरदार भगत सिंह के गांव खटखड़कलां से हो रही है। इस मौके पर आम आदमी पार्टी के मंत्री,सांसद,विधायक,पार्षद सहित तमाम कार्यकर्ता जुटेंगे। आप नेता गोपाल राय ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हुई प्रधानमंत्री की रैली का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि मोदी बोल रहे थे कि इंडिया गठबंधन भ्रष्टाचारियों को बचाना चाहता है और वह भ्रष्टाचार को मिटाना

चाहते हैं, लेकिन पूरा देश देख रहा है कि उन्होंने अजीत पवार, अशोक चौव्हाण, छगन भुजबल पर खुद भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे, अब वह उन लोगों को बचाने में लगे हुए हैं। केजरीवाल की गिरफ्तारी से लोगों में आक्रोश है। राय ने कहा कि इस गिरफ्तारी के खिलाफ अब एक जनआंदोलन बनेगा।

आम आदमी पार्टी के गोपाल राय ने बताया कि विदेश में अमेरिका के बोस्टन में हार्वर्ड स्क्वॉयर, लॉस एजेंलिस के हॉलीवुड साइन, सेन फ्रांसिस्को के लेक एलिजाबेथ, वॉशिंगटन डीसी के इंडियन एंबेंसी, टैक्सस के डलास में महात्मा गांधी मेमोरियल प्लाजा, न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर, कनाडा के टोरंटो में ब्राम्पटन सिटी हॉल, वैनकुवर के हॉलैंड पार्क डाउनटाउन, ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में फेडरेशन स्क्वायर, इंग्लैंड के लंदन में पार्लियामेंट स्क्वायर, जर्मनी के बर्लिन में ब्रैनडनबर्ग गेट और नॉर्वे के ओस्लो में नॉर्वेजियन पार्लियामेंट में सामूहिक उपवास का कार्यक्रम होगा।

गोपाल राय ने बताया कि उत्तराखंड के देहरादून में जैन धर्मशाला प्रिंस चौक, उत्तर प्रदेश में लखनऊ के विधायक पुरम, महाराष्ट्र के मुंबई में गांधी स्थल, राजस्थान के जयपुर में शहीद स्मारक पार्क, बिहार के पटना में गांधी मैदान, झारखंड के रांची में बापू वाटिका ऐतिहासिक मुरादाबादी मैदान, तेलंगाना के हैदराबाद में इंदिरा पार्क, केरल के त्रिवेंद्रम में जीपीओ जंक्शन, तमिलनाडु के चेन्नई में रुकमणी लक्ष्मीपति सलाई, आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में गांधी स्टेच्यू, ओडिशा के भुवनेश्वर में धरना प्लेस, पश्चिम बंगाल के कोलकाता में रानी रश्मोनी दौरमोटाला, मध्य प्रदेश के भोपाल में रोशनपुरा चौहरा, जम्मू में हरि सिंह पार्क, कश्मीर में मारुति ड्राइविंग इंस्टीट्यूट, गुजरात के अहमदाबाद में स्टेट ऑफिस, पंजाब में शहीद भगत सिंह के गांव खटखड़कलां, कर्नाटक के बेंगलुरु में अंदर फ्रीडम पार्क, गोवा के आजाद मैदान और हरियाणा के कुरुक्षेत्र में सदाचार स्थल अर्जुन चौक समेत अन्य जगहों पर सामूहिक उपवास का कार्यक्रम होगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

# &

# भ्रष्टाचार की जानकारी देने

## National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

**9879141480**

**fight against corruption india**

# भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई